दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-60
मुरादाबाद
20 June 2024
(Thursday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने किया Nalanda university के नए कैंपस का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून को नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। यह कैंपस प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहरों से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित है। इसे आक्रमणकारियों ने करीब 800 साल पहले जला दिया था। लेकिन एक बार फिर यह पुराने स्वरूप में लौटा हैप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 19 जून को बिहार में नालंदा यूनिवर्सिटी पहुंचे। यहां उन्होंने इस ऐतिहासिक विश्वविद्यालय के नए कैंपस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी प्राचीन नालंदा

यूनिवर्सिटी के 1600 साल पुराने खंडहर भी गए। इस दौरान उनकी गाइड पटना सर्किल हेड गौतमी भट्टाचार्या बनीं। पीएम मोदी के साथ बिहार के सीएम नीतीश कुमार भी मौजूद थे। दरअसल, प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय भारत के समृद्ध इतिहास का अमिट दस्तावेज रहा है, जो प्राचीन भारत के गौरवशाली अतीत को दर्शाता था। लेकिन, खिलजी वंश के आक्रमणकारियों ने इसे लूटा, कत्लेआम मचाया और जला डाला।800 साल के लंबे इंतजार के बाद इसे फिर इसे पुराने स्वरूप में लौटाने की कवायदें हुईं और सरकारों ने इस पर काम किया। 2007 से तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की पहल के बाद इसके निर्माण की रूपरेखा बनाई गई थी और आज पीएम मोदी ने 19 जून को नए परिसर का उद्घाटन किया। जानिए नालंदा के समृद्ध अतीत, उसके पतन की कहानी और उसके वर्तमान स्वरूप की खासियतों के बारे में।किस तरह शुरू हुई स्थाई भवन के आकार लेने की प्रक्रिया? वर्ष 2007 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की पहल पर इसे एक नई यूनिवर्सिटी को बनाने के लिए एक बिहार असेंबली में विधेयक पास हुआ। नई यूनिवर्सिटी 2014 को अस्थाई रूप से 14 विद्यार्थियों के साथ संचालित होना शुरू हुई। साल 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने राजगीर के पिलखी विलेज में नालंदा विवि के स्थाई परिसर की आधारशिला रखी थी। नए परिसर का निर्माण कार्य साल 2017 से प्रारंभ किया गया और 19 जून 2024 को इसका उद्घाटन हुआ।455 एकड़ में फैले कैंपस की क्या है खासियत? करीब 455 एकड़ के दायरे में फैला यह कैंपस विश्व का सबसे बड़ा नेट जीरो ग्रीन कैंपस माना जाता है। इसकी इमारतें कुछ इस तकनीक से बनाई गई हैं, जो गर्मी में ठंडी और ठंड के दिनों में गर्म बनी रहती हैं। नए कैंपस में 1 हजार 750 करोड़ रुपये की धनराशि से नए भवनों और अन्य सुविधाओं का निर्माण कराया गया। नालंदा यूनिवर्सिटी की दो एकेडमिक बिल्डिंग्स हैं। इनमें 40 क्लासरूम्स बनाए गए हैं और 300 सीटों वाला एक एक भव्य आडिटोरियम बनाया गया है।

नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस में विशाल लाइब्रेरी, खुद का पावर प्लांट भी है।इस यूनिवर्सिटी में 26 विभिन्न देशों के विद्यार्थी स्टडी कर रहे हैं। पोस्ट ग्रेजुएशन, डॉक्टरेट रिसर्च कोर्स, शॉर्ट सर्टिफिकेट कोर्स, इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए 137 स्कॉलरशिप खास विशेषता है।नालंदा यूनिवर्सिटी का नया कैंपस प्राचीन खंडहरों के करीब ही है। 800 से ज्यादा वर्षों तक खंडहर में रहने वाली नांलदा यूनिवर्सिटी कभी भारत का वैभव हुआ करती थी। यहां एक दुनियाभर के करीब 10 हजार विद्यार्थी विद्या अध्ययन के लिए आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्त वंश में हुई थी। इस वंश के शासक कुमारगुप्त ने 425 ईसवी से 470 ईसवी के बीच इसकी स्थापन की थी। गुप्तवंश में भारत की समृद्धि और ख्याति दुनियाभर में फैली हुई थी और नालंदा विवि भी वैश्विक शिक्षा का अहम केंद्र बन गया था। गुप्त वंश के पतन के बाद भी भारत के हर्षवर्धन के काल में यह विश्वविद्यालय फलता फूलता रहा। इस दौरान करीब 6 शताब्दियों तक इस यूनिवर्सिटी की ख्याति का लोहा दुनिया ने माना। प्राचीन नालंदी विवि इतना भव्य था कि यहां पूर्व में ?चीन, जापान, कोरिया, तिब्बज जैसे देशों के विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। वहीं मिडिल ईस्ट से ईरान जैसे देशों के विद्यार्थी भी यहां पढ़ने आए। प्राचीन यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी बहुत समृद्ध थी। बताया जाता है कि यहां 3 लाख से भी ज्यादा पुस्तकें सहेजकर रखी गई थीं। यही नहीं 300 रूम और 7 बड़े सभागार भी इस वि?श्वविद्यालय की शोभा बढ़ाते थे। जब 13वीं सदी में खिलजी शासकों ने भारत पर आक्रमण किया और कई ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान पहुंचाया। इसकी जद में नालंदा विश्वविद्यालय भी आया। तुर्क आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्लायल पर जोरदार हमला किया और इसके बर्बाद कर दिया। कई बौद्ध भिक्षुओं का कत्लेआम किया। आक्रमणकारियों ने इस विश्वविद्यालय को आग के हवाले कर दिया। चूंकि इस विवि में लाखों किताबें थीं, इसलिए नालंदा विवि तीन महीने तक धू धू करके जलता रहा, आग की लपटों में इस विश्वविद्यालय के ही नहीं, भारत के वैभव को भी जला डाला था।

संक्षिप्त समाचार

अभी जेल में ही रहेंगे सीएम के जरीवाल, जानें कोर्ट ने कब तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे क्योंकि सीएम के जरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी गई है।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में ही रहेंगे क्योंकि सीएम के जरीवाल की न्यायिक हिरासत तीन जुलाई तक बढ़ा दी गई है।इससे पहले अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद के जरीवाल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। वहीं अदालत ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत भी 19 जून तक बढ़ा दी थी। शराब नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद के जरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया था।पत्र पर संज्ञान लेने का फैसला 9 जुलाई को- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप पत्र में कहा था कि राजधानी में शराब के व्यापार में निवेश करने की एवज में पंजाब के व्यापारियों से भी रिश्वत ली गई थी। उसने यह भी कहा था कि आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब के उन व्यापारियों को पड़ोसी राज्य में शराब कारोबार में निवेश नहीं करने दिया गया, जिन्होंने रिश्वत नहीं दी थी। पहली बार धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत किसी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। केजरीवाल ने तिहाड़ में किया था आत्मसमर्पण

गर्मी का कहर: प्रयागराज में 4 श्मशान घाटों पर 24 घंटे में 414 शवों का अंतिम संस्कार, कोरोना काल की यादें ताजा

80 शव दारागंज श्मशान घाट पर रात 11 बजे तक आए

60 शव 24 घंटे के अंदर रसूलाबाद घाट पर आए

150 शव श्मशान घाट शृंग्वेरपुरधाम पर देर रात आए

32 शव फाफामऊ के श्मशान घाट पर आए

92 शव झूंसी के छतनाग श्मशान घाट पर दो दिन के भीतर आए

प्रयागराज के चार श्मशान घाटों पर 414 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। शृंग्वेरपुरधाम के श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बची है। शव लेकर आने वालों की भीड़ से पैक रास्ते हो गए हैं। छतनाग घाट, रसूलाबाद घाट और दारागंज घाट पर भी देर रात तक चिताएं जलती रही। तीन दिन से देश में सर्वाधिक गर्म रिकॉर्ड किए गए प्रयागराज में श्मशान घाटों पर अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बची। शृंग्वेरपुर धाम श्मशान घाट के रास्ते शव लेकर आने वालों की भीड़ से पैक हो गए।

वहां दो पहिया वाहनों को खड़ा करने की भी जगह नहीं बची। मंगलवार को शहर और आसपास के चार श्मशान घाटों को मिलाकर 414 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। शहर के दारागंज श्मशान घाट पर प्रयागराज के अलावा पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के रीवा, हनुमान तक के लोग शवों के अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे। यहां रात के 11 बजे तक 80 शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

घाट के लकड़ी विक्रेता राजाराम के मुताबिक, दो दिनों से श्मशान घाट पर लाए जा रहे शवों को देखकर कोरोना काल की यादें ताजा हो गईं। इसी तरह रसूलाबाद घाट पर 24 घंटे के भीतर 60 से अधिक शवों का अंतिम संस्कार किया गया। इसी तरह शृंग्वेरपुरधाम के श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए चिताओं की संख्या बढ़ती गई। मंगलवार दोपहर दो बजे तक चिताओं की संख्या 100 तक पहुंच गईं। देर रात तक यहां 150 शवों के अंतिम संस्कार किए गए। इस दौरान घाट पर लकड़ियों की भी किल्लत हो गई। इसी तरह झूंसी के छतनाग श्मशान घाट पर दो दिन के भीतर 92 शवों का अंतिम संस्कार किया गया। श्मशान घाटों पर धधकती चिताएं प्रचंड गर्मी की गवाही दे रही थीं। पिछले दो दिनों से छतनाग श्मशान घाट पर चिता की राख ठंडी तक नहीं हो पा रही है। पिछले दो दिनों से छतनाग श्मशान घाट पर दिनरात चिताएं जलाई जा रही हैं।

गर्मी और लू लगने के कारण मरने वालों में बुजुर्ग, अधेड़ के साथ ही युवाओं की संख्या भी ज्यादा है। एक साथ भारी तादाद में चिताओं को जलाने के लिए लकड़ी तक कम पड़ जा रही है। ऐसे में आसपास के इलाकों से श्मशान घाट पर लकड़ी मंगाई जा रही है। फाफामऊ श्मशान घाट पर इस दिन 32 शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

दिल्ली जल संकट: 'हक का पानी नहीं मिला तो अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी', आतिशी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

दिल्ली की जल मंत्री अतिशी ने कहा, मैंने आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर विनम्र निवेदन किया है कि वे (पीएम मोदी) दिल्ली के लोगों को पानी दिलवाएं। अगर 21 तारीख तक दिल्ली वालों को अपने हक का पानी नहीं मिलता तो फिर 21 तारीख से मुझे पानी के लिए सत्याग्रह शुरू करना पड़ेगा। मैं 21 तारीख से अन्नशन पर बैठूंगी जब तक दिल्ली वालों को उनके हक का पानी नहीं मिल जाता। दिल्ली में पानी का जबरदस्त संकट पैदा हो गया है। दिल्ली में क्या आम और क्या खास, हर इलाके में पानी की किल्लत बढ़ गई है। इसे लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को उसके हक का पानी नहीं मिला तो 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी।आतिशी ने बताया कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर विनम्र निवेदन किया है कि वो दिल्ली के लोगों को पानी दिलवाएं, चाहे हरियाणा से पानी दिलवाएं या कहीं और से लेकिन किसी भी तरह से पानी दिलवाएं। अगर 21 जून तक दिल्ली को अपने हक का 100 एमजीडी पानी नहीं मिला तो मुझे पानी के लिए सत्याग्रह शुरू करना पड़ेगा। मैं 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी जबतक दिल्ली वालों को उनके हक का पानी नहीं मिल जाता।पूर्वी दिल्ली की कई कॉलोनियों में दो-तीन दिन से पानी नहीं आ रहा। विनोद नगर, मंडावली, गणेश नगर समेत कई इलाकों में पानी के लिए हाहाकार मचा है। इधर, नई दिल्ली में गोल मार्केट, बंगाली मार्केट, तिलक मार्ग, संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और न्यायाधीशों के बंगलों में भी पानी की सप्लाई कम हो गई है। आरएमएल, कलावती और लेडी हार्डिंग जैसे अस्पताल भी पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। एनडीएमसी के सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड पिछले कई दिन से एनडीएमसी क्षेत्र में कम पानी दे रहा है। वजीराबाद प्लांट से पानी की सप्लाई बंद कर दी है, जिसके कारण आरएमएल, लेडी हार्डिंग जैसे कई बड़े अस्पतालों को पानी की आपूर्ति करने से परेशानी हो रही है। जल बोर्ड द्वारा एनडीएमसी को उपलब्ध कराए जाने वाले पानी की न्यूनतम मात्रा 125 एमएलडी है। मुख्य रूप से तीन जल उपचार संयंत्रों वजीराबाद, चंद्रावल और सोनिया विहार से नई दिल्ली में जल आपूर्ति होती है, लेकिन वजीराबाद जल उपचार संयंत्र 50 फीसदी से कम क्षमता के साथ चल रहा है। दिल्ली जल बोर्ड को यहां से 60 एमएलडी पानी उपलब्ध कराना था, लेकिन पानी की सप्लाई बंद है। चहल ने बताया कि चंद्रावल जल उपचार संयंत्र 30 फीसदी कम क्षमता पर चल रहा है। यहां से 35 एमएलडी पानी मिलता था, लेकिन 20 से 25 एमएलडी पानी ही उपलब्ध कराया जा रहा है। ये पानी राष्ट्रपति एस्टेट, चाणक्यपुरी, दूतावास, पीएम हाउस, एमपी फ्लैट में पहुंचता है। सोनिया विहार जल उपचार संयंत्र 10 फीसदी कम क्षमता से चल रहा है। नई दिल्ली को इससे 30 एमएलडी पानी मिलना चाहिए, लेकिन 20 एमएलडी ही उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस बार हम लिखकर दे रहे हैं कि NDA सरकार..., प्रशांत किशोर ने खुले मंच से कर दिया एलान

बिहार में लोकसभा चुनाव के बाद अब विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इसी क्रम में जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी पूरी तरह सियासी रंग में नजर आ रहे हैं। प्रशांत किशोर ने विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर बड़ा दावा कर दिया है और एनडीए के साथ-साथ आईएनडीआईए गठबंधन को भी चैलेंज दे दिया है। प्रशांत किशोर ने विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी दलों को कर दिया चैलेंज- प्रशांत किशोर ने बिहार की बदहाली को लेकर बड़ा बयान दिया है।बिहार में लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद अब विधानसभा चुनाव की आहट सुनाई देने लगी है। विधानसभा चुनाव से पहले इस

बार सबसे अधिक किसी नेता की चर्चा हो रही है वह हैं जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर। प्रशांत किशोर ने 2 अक्तूबर को पार्टी बनाने का एलान कर दिया है।हम इसबार लिखकर दे रहे हैं...प्रशांत किशोर ने दे दिया चैलेंज- प्रशांत किशोर ने पार्टी बनाने का एलान करने के साथ NDA और I.N.D.I.A गठबंधन को बड़ा चैलेंज दे दिया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि हम 2 अक्तूबर को पार्टी बनाने जा रहे हैं। इस बार लिखकर दे रहा हूं कि बिहार की जनता इसबार NDA और I.N.D.I.A को विधानसभा चुनाव 2025 में पूरी तरह से काट कर साफ कर देगी। इस बार जनसुराज को जनता जिताएगी।बिहार को बदलना है तो करना बिहार के लोगों को ही है, चाहे आज हो या 20 वर्ष बाद हो। कोई आपके लिए तमिलनाडु और पंजाब से आने वाला नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के पैसे वाले लोग समझ रहे हैं कि पैसे की बदौलत बेटे को पढ़ा लेंगे। लेकिन वे यह नहीं सोच रहे हैं कि उनका बेटा बाहर चला गया पढ़ने और नौकरी ले ली तो फिर बिहार मुश्किल से ही लौटकर आएगा। वोट काटने पर प्रशांत किशोर ने किया पलटवार- प्रशांत किशोर ने कहा कि हमसे कुछ लोग पूछ रहे हैं कि किसका वोट काटिएगा NDA का या INDIA का । तो हम उनलोगों को इसबार लिखकर दे रहे हैं कि NDA और I.N.D.I.A का पत्ता पूरी तरह से साफ हो जाएगा। जनसुराज पूरी तरह से जनता के साथ है और जनता हमारे साथ है।

संपादकीय Editorial

Towards unstable politics

Towards unstable politics In a state where by-elections are being held repeatedly and where the membership of the assembly dances from the court to the court of the Speaker of the Assembly, the circumstances are not normal. Himachal has so far established high dimensions of strength, tolerance, accountability, commitment and party culture in its politics, but now the language, debate and ground are changing. The assembly is being divided repeatedly and the mandate is also participating in the disability of the political account book. You were not like this, how did you become like this, this is what the voter of Himachal is asking. How long will he remain a pawn in the political power struggle. The rejection of the membership of nine MLAs from a mere 68-member assembly is neither inspiring nor complementary, rather it has given a sign of the disease of instability. Now again this custom will fan the embers of instability with the bellows of by-elections due to independent MLAs. All these by-elections are not the gap between two parties, but a political trick which is playing only with the soil of ego and selfishness. When the pieces start getting divided, then what is small and what is big, the whole spectacle here is of ambush and counter-attack. Who is the leader, whose stamp and whose fault due to whose sale, all are naked in this hamaam. People are changing parties because the occupiers in the parties are changing. In Himachal, the founders of power are deciding their army and their war fronts. When the beneficiaries of power become the ornaments of the government directly from any street or alley by vanishing the platform of electoral politics, then these steps are also a game and spectacle. Politics has now started presenting governments and thrones of governments in front of us like a unique court. Here there are more arguments of defeat than proof of victory and hence even after losing the powerful one makes a hue and cry of victory. There is more enthusiasm for the victory that was generated by Congress losing a total of six MLAs and gaining four new faces than the four Lok Sabha seats. Now again three by-elections are a rain for some and a gift for others, but the circumstances behind this are creating an atmosphere of instability in politics. In the trouble of unstable politics, how should the public decide whether it will lose by making someone win or will be defeated by defeating them. What difference does it make if yesterday's independent becomes today's BJP member and announces the election or the probing Congress comes ahead and grabs some distraught BJP leader. These very circumstances suddenly bring some lost leaders to the fore, while the common worker sacrifices his mood while reading the mood of the election. Already, the BJP is looking at the BJP in the company of independent Hoshiar Singh, who has become a weapon in the arms of the Dehra by-election, while Ramesh Dhawaala's temper is making politics guilty in the testimony of history. When Ramesh Dhawaala came demanding some statement or trying to satisfy the emptiness of the Congress, the BJP officials started testing his pulse. Now will Jwalaji remain Jwalaji or will some flame coming out of Jwalaji reach Dehra. It is a blessing if the heart melts due to the persuasion of Vipin Singh Parmar, otherwise there will be many Kurukshetras in the existence of one by-election. Just think how many pauses and uncertainties are coming in the existence of Himachal due to the increasing by-elections due to the pride of living leaders. The nails of by-elections will only destabilize our future by bleeding the bald democracy, while even after wearing the protective shield, the ruling party and the opposition will be extremely weak and unruly and will only keep playing hide.

Issue: Tribal interests should not be ignored

About 90 percent of the population in Ladakh is tribal, who have had to bear the pain of displacement along with environmental crises. In the era of commercialism and materialism, if development is to be done with stability, then conservation of culture along with nature is also essential. This is also the reason for the demand to include Ladakh in the Sixth Schedule of the Constitution. The people there believe that local councils should get autonomy to protect the natural environment and tribal culture of Ladakh, otherwise there will be a risk of erosion of the unique culture of Ladakh due to external interference.About 90 percent of the population in Ladakh is tribal. Among these, Gujjar, Bakarwal, Bot, Changpa, Baltis and Purigpa tribes are prominent. They have had to be displaced due to tension and conflict in the border areas, due to which they have to face serious problems like cultural isolation and socio-economic exclusion. Environmental problems are also serious in Ladakh. According to World Weather Online, climate change has caused a drastic change in the rainfall cycle in Ladakh. The rocky terrain of Ladakh has no natural system for storing rainwater. Therefore, it pushes it down in the form of floods. It has to be understood why the Sixth Schedule is necessary for the people of Ladakh? The Constitution has made the Union responsible in Article 244 for the administration of scheduled and tribal areas. Scheduled areas are such areas which the President can declare as scheduled areas after consulting the Governor of that state. The Fifth Schedule has been made for this, whereas, those areas of the states of Assam, Meghalaya, Tripura and Mizoram, which provide for district or regional autonomous councils for such areas, are called tribal areas. These four states have been kept in the Sixth Schedule. The Sixth Schedule provides for the establishment of autonomous councils, which have legislative, judicial, executive and financial powers to govern these areas independently. There are 10 autonomous councils under the Sixth Schedule, including three each in Assam, Meghalaya and Mizoram and one in Tripura. An Autonomous District Council (ADC) is set up for each autonomous district, while Regional Councils (RCs) are set up where there is a significant population of tribes other than the main tribe. The Fifth Schedule empowers the Governor of the state where the Scheduled Areas are located to suspend or amend any law passed by the Parliament or the Legislative Assembly and to make laws for good governance in those areas. It also provides for the establishment of Tribal Advisory Councils to advise the Governor. The Panchayat (Extension to the Scheduled Areas) Act was passed in 1996, which mentions empowering the settlement-level Gram Sabhas in the Scheduled Areas. The question is why Ladakh wants to be included in the Sixth Schedule instead of the Fifth Schedule. Before the reorganization of Jammu and Kashmir in 2019, Ladakh enjoyed special protection under Articles 370 and 35-A. The areas in the Fifth Schedule are governed by Panchayati Raj and District Council without any legislative power, while the areas in the Sixth Schedule are overseen by Autonomous District Councils. Ladakh already has autonomous hill development councils and integrating them in the Sixth Schedule will give them similar powers. The importance of states and union territories in the political structure created in the Indian Constitution cannot be underestimated, because the integrity of the nation can be protected only by protecting their identity. The basis for the formation of union territories in India has been primarily cultural. However, many such areas have been established on the basis of cultural factors as well as other factors, such as Delhi (political), Puducherry (geographical), etc. Not only is the protection of Ladakh's culture important, this area is also very important from the point of view of strategic or national security. In such a situation, the seriousness of the protest here must be considered.

Analysis: Is it just a family feud?

Whenever the BJP's position weakens, critics spin a narrative of a power struggle between the RSS and the BJP. But Modi is not a mask of the RSS and the RSS knows deep inside that Modi is one of the best products of its ideology.What went wrong between the RSS and the BJP? Nothing major, but perhaps the RSS feels that PM Modi's personality has caused damage and senior party leaders ignored warnings about several BJP candidates, leading to their defeats, especially in Uttar Pradesh. Moreover, Modi is said to have stopped seeking advice from RSS leaders for the past seven-eight years.Modi's colossal personality has left no room for RSS leaders to raise any issue with him. This is why RSS chief Mohan Bhagwat, in his first public comment on the BJP not getting a majority in the Lok Sabha, said that a true servant should not have 'ego' and should do his work without harming others. He also said that 'decency was not maintained' during the fierce election campaign. However, many within the RSS tried to indicate that his comments were not only on Modi and the central leadership of the BJP. Generally, the RSS wants to appear away from day-to-day political affairs and is busy expanding its base for the completion of 100 years of its foundation in 2025. Some RSS workers work for the BJP as national and state level organization secretaries or joint organization secretaries. These workers are full-time and are called 'pracharaks'. Modi himself was a pracharak of the RSS and held the post of secretary in the BJP organization. There has been neither a conflict of interest nor a power struggle between the BJP and the RSS, as they work in different fields. It is said that the RSS leadership understands that politics has its own compulsions and the BJP is free to follow them. The RSS does not talk of interfering in either governance or administration or the political activities of the BJP. The central idea is that it plays the role of an ideological guide and will continue to do so. The RSS maintained silence during the Lok Sabha election campaign, while there were also reports that the campaigners were not showing enthusiasm in uniting the voters. However, critical voices emerged soon after the BJP missed the majority. Bhagwat's comment came at a time when there is a lot of discussion about whether the RSS has actually distanced itself from the BJP and did not support it wholeheartedly during the elections? In his first comment after the results, the RSS chief had stressed on the need to end the Manipur conflict on a priority basis and to have a consensus between the government and the opposition. This series of criticism did not stop here. RSS leader Indresh Kumar said that Lord Ram prevented an 'arrogant' party, which claimed to be a 'Ram Bhakt', from getting a majority in the Lok Sabha. Then, a RSS ideologue Ratan Sharda wrote in the RSS mouthpiece 'Organiser' that the election results were a 'reality check' for overconfident BJP workers. He claimed that the BJP leadership did not approach RSS volunteers for support in the elections. Many RSS leaders were upset with BJP president JP Nadda, who had said before the elections that the BJP did not need the RSS. They believed that this had lowered the morale of RSS workers. In fact, unlike Atal Bihari Vajpayee as Prime Minister, Modi did not have any major problems with the RSS in the last ten years. He fulfilled the goals of the RSS and the BJP, including major issues like removal of Article 370 and construction of Ram temple in Ayodhya. Commenting on Vajpayee's 'liberal' attitude, KN Govindacharya had called him a mask of the RSS (though he continued to deny this statement). Obviously, Vajpayee never forgave Govindacharya for that comment and patiently waited for the right time. And then, Govindacharya was exiled in such a way that he never returned. But Modi is not a mask of the Sangh. In fact, he is one of the best products of the RSS ideology. Also, Modi is a leader who is not going to forget the results of 2024. He will find out in detail why the results did not go well for the BJP. So, if we look deeply, there is no fundamental duality between Modi and the RSS. In the 1980s, the RSS handed over Modi to the BJP and he became the Prime Minister. Yes, it is true that Modi's image with the BJP is 'larger than life'. In such a situation, even though the BJP may have missed out on a majority in the Lok Sabha, his hold on the party and his influence on the voters cannot be easily dismissed. In fact, whenever the BJP's position weakens a bit, critics from within and outside start fabricating imaginary stories of power struggle between the Sangh and the BJP. The Sangh is busy running 60,000 daily branches and more than two lakh welfare projects through its 36 organizations. It is busy strengthening its base on the completion of 100 years of its establishment in 2025. The number of BJP workers has increased a lot and it has a large group of leaders. According to insiders, the party is capable of handling itself under the leadership of a strong leader like Modi and in the coming days the party has to decide its own direction. If some reforms are needed due to the election results, then it will be clear that the party is not taking any action.If necessary, the BJP will do it itself. Modi is so strict that he will hold every element responsible for the failures along with himself to account. Ultimately, those who are expecting a power struggle in the Sangh-BJP will be disappointed.

किसानों की समस्याओं का अधिकारीगण न्यायोचित एवं समयबद्धता से निस्तारण करें-डीएम

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विद्युत, गन्ना भुगतान, बैंक, सड़क निर्माण आदि की समस्याओं को प्रमुखता से रखा गया, जिस पर जिलाधिकारी ने किसानों की न्यायोचित समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने सहित किसानों की विभिन्न दिक्कतों का त्वरित निराकरण के अधिकारियों को निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों की जो भी समस्याएं हैं उनकी सकारात्मक सोच के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाये और जो भी कार्यवाही की जाये उससे संबंधित को भी अवगत कराया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि संवादहीनता नही होनी चाहिए परस्पर आपसी संवाद बनाये रखें और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए समस्याओं का न्यायोचित समाधान करें, ताकि किसान दिवस की सार्थकता बनी रहें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों का किसी भी तरह का उत्पीड़न न हों तथा विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि विद्युत के मामलों में गहनता एवं निष्पक्षता के साथ जांच करने तथा निर्धारित शैड्यूल के मुताबिक किसानों को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। किसान दिवस में जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी से जनपद में उर्वरक की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली, जिस पर जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि डीएपी, एनपीके एवं यूरिया की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है, किसानों को उर्वरक में कोई समस्या नहीं आएगी। जिलाधिकारी ने किसानों से सहकारी समितियों से संबंधित समस्याओं की भी जानकारी ली। कृषकों द्वारा बताया कि मूढ़ापाण्डे सहकारी समिति का गोदाम जर्जर हालत में है तथा टपकने से उर्वरक खराब हो जाता है, जिस पर जिलाधिकारी ने ए0आर0 को-ऑपरेटिव को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। मूढ़ापाण्डे क्षेत्र में छुट्टा पशुओं के घूमने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि क्षेत्र में सर्वे करें और गौशालाओं की क्षमता से अधिक छुट्टा पशु है तो नया टीन शैड डलवायें। किसानों द्वारा बताया गया कि किसानों को ट्यूबवैल की बिजली मुफ्त देने की घोषणा के बाद भी बिल की वसूली की जा रही है। विद्युत आपूर्ति शैड्यूल के अनुसार नहीं की जा रही है तथा संबंधित जे0ई0 किसानों का फोन भी नहीं उठा रहे है, इस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को विद्युत बिल के संबंध में जानकारी प्रदान करने के साथ ही जे0ई0 को भी कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। बिलारी शुगर मिल द्वारा 2 करोड़ का भुगतान तथा 47 करोड़ का बकाया रहने पर किसान दिवस में किसानों द्वारा नाराजगी प्रकट की गयी। जिलाधिकारी ने जिला गन्ना अधिकारी को गन्ना भुगतान कराने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी को रोड ठीक कराने, सिंचाई विभाग को नहरों में पानी छोडने तथा चकबंदी विभाग को चकबंदी वादों का निस्तारण करने के निर्देश दिये।

किसान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 अनिल कंसल सहित जिला कृषि अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, गन्ना, मण्डी, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग के एवं शुगर मिल के प्रबन्धक एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण तथा कृषकगण उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

अवैध संबंधों में रेलवे कर्मी की हत्या, पत्नी और प्रेमी को उम्रकैद, कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया

रेलवेकर्मी की हत्या में शामिल पत्नी और उसके प्रेमी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा दोनों पर 27-27 हजार का जुर्माना भी लगाया है। यह हत्याकांड मझोला इलाके में अपैल 2019 में अंजाम दिया गया था। अवैध संबंधों में रोड़ा बने रेलवे कर्मी की हत्या करने वाली पत्नी और उसके प्रेमी को अदालत ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनवाई है। अदालत ने दोनों पर 27-27 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस हत्याकांड को मझोला क्षेत्र में पांच अप्रैल 2019 को अंजाम दिया था।शिव कुमार रेलवे विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। उनकी तैनाती मुरादाबाद में थी। वह परिवार के साथ मझोला क्षेत्र में लाइन पार रामतलैया स्थित रेलवे क्वार्टर में रहते थे। शिवकुमार की पहली पत्नी अमरवती का आठ साल पहले देहांत हो गया था।जिसके बाद शिवकुमार ने दूसरी शादी बरेली जिले के आंवला की रहने वाली नीतू से कर ली थी। शिव कुमार के बेटे अमन ने मझोला थाने में छह अप्रैल 20219 को केस दर्ज कराया था। जिसमें अमन ने बताया था कि उनके क्वार्टर के पास ही कटघर बीच होली का मैदान निवासी पल्लव अग्रवाल परचून की दुकान चलाता है। पल्लव से उसकी सौतेली मां नीतू फोन पर बात करती थी। उसके पास मिलने के लिए भी जाती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा होता था। पिता को शक था कि नीतू और पल्लव अग्रवाल के बीच अवैध संबंध है। पांच अप्रैल की रात मैं और मेरी दादी एक कमरे में सो रहे थे जबकि दूसरे कमरे में नीतू और मेरे पिता सो रहे थे। रात करीब बारह बजे पिता के चीखने की आवाज आई थी। दादी पोते कमरे की ओर गए तब देखा कि पल्लव और नीतू शिव कुमार को डंडे से मार रहे थे और वह जमीन पर गिरे पड़े थे। दादी पोत के शोर मचाया तो नीतू और पल्लव धमकी देते हुए भाग गए थे। तब शिव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने 1 जुलाई 2019 को अदालत में आरोप पत्र पेश किया था। मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या तीन विमल वर्मा की अदालत में की गई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मधु रानी चौहान ने बताया कि इस मामले में मृतक के पुत्र अमन और मां सुदामा के अतिरिक्त क्षेत्रवासियों ने भी घटना की पुष्टि की थी। वहीं बचाव पक्ष की दलील थी कि उन्हें झूठा और रंजिश के चलते फंसाया गया है। लेकिन बचाव पक्ष अपनी दलील को अदालत में साबित नहीं कर पाया। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी नीतू और उसके प्रेमी पल्लव अग्रवाल को हत्या का दोषी करार देते हुए दोनों को उम्रकैद की सजा के साथ प्रत्येक पर 27 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

नि:शुल्क विद्युत चालित चाक (पाटरी व्हील) एवं पगमिल वितरण हेतु ऑनलाइन करने की तिथि बढ़ी

मुरादाबाद -जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया है कि महाप्रबन्धक उ0प्र0 माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में माटीकला टूल- किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत माटीकला विधा के व्यक्तिगत कारीगरो को नि:शुल्क विद्युत चालित चाक (पाटरी व्हील) एवं विभाग में पंजीकृत माटीकला सहकारी समितियों को नि:शुल्क पगमिल उपकरण वितरण हेतु शासन से लक्ष्य प्राप्त हो चुके है। जनपद मुरादाबाद के ऐसे ग्रामीण/शहरी क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार नवयुवक/नवयुवतियां, जिनकी आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष के मध्य हो एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परम्परागत कारीगर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। किन्तु उन्हें भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार से किसी भी योजना में टूल किट्स न मिला हो ऐसे अभ्यर्थी आवेदन के लिए पात्र होगें। उक्त के अतिरिक्त स्वयं सहायता समूह में परम्परागत कारीगर भी पात्र होगें। प्राप्त आवेदन पत्रो का चयन शासन द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जायेगा। उक्त योजना के अन्तर्गत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है। आवेदन करने की अन्तिम तिथि 28.06.2024 है। आवेदक ऑनलाइन आवेदन निम्न वेबसाइट (upmatikalaboard.in) पर कर सकते है। विस्तृत जानकारी हेतु मोबाइल नं0 9580503151 एवं 8191967289 या जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, एम0आई0जी0ए0 एम0-6 दीन दयालनगर, मुरादाबाद से भी सम्पर्क कर सकते है।

ई-पास मशीन के माध्यम से उपलब्ध कराया गया

मुरादाबाद -जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि अन्त्योदय कार्डधारकों को 21 किलाग्राम चावल एवं 14 किलोग्राम गेंहू कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 02 किलोग्राम गेंहू व 03 किलोग्राम चावल प्रति यूनिट कुल 05 किलोग्राम खाद्यान्न नि:शुल्क वितरण कराए जाने एवं अन्त्योदय कार्ड धारकों कासे त्रैमास अप्रैल, मई व जून 2024 के सापेक्ष 02 किलोग्राम चीनी प्रतिकार्ड रुपये 18/- प्रति किलोग्राम की दर से रुपये 54 में चीनी का वितरण दिनांक 08.06.2024 से 25.06.2024 के मध्य वितरण कराए जाने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त वितरण अवधि में ई0के0वाई0सी0 कराए जाने के प्रावधान ई-पास मशीन के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था। अपर आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग के पत्र दिनांक 18.06.2024 के द्वारा अवगत कराया गया है कि वितरण कार्य सुचारु रुप से सम्पन्न कराये जाने हेतु ई0के0वाई0सी0 कराए जाने की प्रक्रिया स्थगित कर दी गयी। समस्त लाभार्थियों को ई0के0वाई0सी0 कराए जाने सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है, जिसके दृष्टिगत समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि माह जून 2024 के सापेक्ष खाद्यान्न वितरण का कार्य दिनांक 20.06.2024 तक पूर्ण रुप से सम्पन्न कर लिया जाये, जिससे दिनांक 21.06.2024 से ई0के0वाई0सी0 का काय ई-पास मशीन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जा सके। उन्होंने सभी राशकार्ड परिवारों से अपील की है कि दिनांक 21.06.2024 से अधिक से अधिक संख्या में उचित दर दुकानों पर पहुंचकर अपना ई0के0वाई0सी0 पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

कैश लूट कर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने पर बाइक पोल से टकराई, बेटे की मौत, पिता घायल

रामपुर-बाजपुर राजमार्ग पर रसूलपुर की पुलिया के निकट पिता-पुत्र को लूटकर भाग रहे बाइक सवार बदमाशों का पीछा करने के दौरान पीड़ित की बाइक सड़क के किनारे पड़े बिजली के पोल से टकरा गई।रामपुर-बाजपुर राजमार्ग पर रसूलपुर की पुलिया के निकट पिता-पुत्र को लूटकर भाग रहे बाइक सवार बदमाशों का पीछा करने के दौरान पीड़ित की बाइक सड़क के किनारे पड़े बिजली के पोल से टकरा गई। जिसमें हिमांशु (16) की मौके पर मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि घायल पिता का इलाज चल रहा है। थाना भोट बक्काल का मझरा कुंडे की मंडैया निवासी प्रेम सिंह बुधवार की सुबह लगभग नौ बजे बाइक से अपने पुत्र हिमांशु के साथ स्वार से कुछ सामान खरीदने के लिए जा रहे थे। बताते हैं कि स्वार रोड पर बाइक सवार दो संदिग्ध उनकी बाइक के पीछे लग गए। कुछ दूर जाकर लुटेरों ने ओवरटेक किया और पिता-पुत्र की बाइक रोक कर उनसे कैश लूट लिया और तेजी से स्वार की ओर फरार हो गए। पिता-पुत्र ने अपनी बाइक से बदमाशों का पीछा किया। इस दौरान रसूलपुर की पुलिया से कुछ आगे रोड के किनारे पड़े बिजली के पोल से बाइक टकरा गई जिससे पिता-पुत्र बीच रोड पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना में किसान के बेटे हिमांशु की तत्काल मौत हो गई जबकि पिता प्रेम सिंह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। बाइक रोड के किनारे खंती में जा घुसी। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। चूंकि प्रेम सिंह बेहोश हैं इस लिए कितनी रकम लूटी गई है इसके बारे में फिलहाल कुछ जानकारी नहीं है। इस बीच मृतक के घर और दुर्घटना स्थल से लेकर अस्पताल तक चीत्कार मचा हुआ है। बेटे की मौत से मां रोते-रोते बेहोश हो गई। अन्य परिजन का भी बुरा हाल हो गया।

कुंदरकी विधानसभा सीट से उप-चुनाव लड़ेंगे सपा के ये दिग्गज! जियाउर्रहमान बर्क ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

मुरादाबाद के पूर्व सपा सांसद कुंदरकी विधानसभा से उप-चुनाव लड़ सकते हैं। उनका कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आदेश होगा तो उप चुनाव लड़ने में कोई हर्ज नहीं है।लोकसभा चुनाव के बाद अब यूपी में विधानसभा उप-चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आदेश होगा तो उप चुनाव लड़ने में कोई हर्ज नहीं है। वह आदेश का पालन करते हुए उप-चुनाव लड़ेंगे, मना नहीं करेंगे। पूर्व सपा सांसद ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनसे रामपुर लोकसभा लड़ने के लिए कहा था। उस समय पूर्व मंत्री आजम खां के लिहाज के चलते रामपुर से लड़ने से मना कर दिया था, जब कि आजम खां ने ही उनके टिकट को कटवाया था।वह लोकसभा चुनाव समाप्त होने पर दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई देने के लिए गए थे लेकिन उपचुनाव के मुद्दे पर अभी चर्चा नहीं हुई है। मुरादाबाद जिले में कुंदरकी विधानसभा खाली होने वाली है। क्योंकि यहां के विधायक जियाउर्रहमान संभल लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हो गए हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार में एक भी मंत्री मुस्लिम समाज से नहीं है। मुरादाबाद लोकसभा सीट पर हुए चुनाव के दौरान सपा ने पूर्व सांसद एसटी हसन का टिकट काटकर उसे रुचि वीरा को दे दिया था। इस सीट पर रुचि वीरा ने भाजपा के सर्वेश सिंह को हराया था। उधर, कुंदरकी विधायक जियाउर्रहमान बर्क को सपा ने संभल से चुनाव लड़वाया था। इसमें वह विजयी रहे थे। बर्क के सांसद चुने जाने के बाद कुंदरकी विधानसभा से उपचुनाव होगा। ऐसे में हसन ने कहा कि वह उप-चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। इसके लिए पार्टी की सहमति होनी चाहिए। जियाउर्रहमान बर्क ने विधायक पद से दिया इस्तीफा- संभल लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए जियाउर्रहमान बर्क ने कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के विधायक पद से इस्तीफा मंगलवार को दे दिया है। यह जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी शेयर की है। अब वह एक पद से मुक्त हो गए। मतगणना के बाद जारी हुई अधिसूचना के आधार पर 14 दिन के अंदर एक पद से इस्तीफा दिया जाना था। सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बताया कि मंगलवार को उन्होंने अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया था, जो मंजूर हो गया है। मालूम हो जियाउर्रहमान बर्क वर्ष 2022 में कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र से सपा के टिकट पर विधायक बने थे। सपा ने इस बार संभल लोकसभा क्षेत्र से डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाया था। बीमारी के चलते डॉ. बर्क का निधन हो गया। उनके निधन के बाद पार्टी ने डॉ. बर्क के पोते जियाउर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा और उन्हें जीत भी मिल गई।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

आचार संहिता के बीच MSME टेक्नोलॉजी सेंटर में करा दीं नियुक्तियां, मेंटर बदला पर नहीं बदले हालात

आचार संहिता के बीच एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर में नियुक्तियां करा दीं गईं। टीचिंग सहायक और संविदा कर्मियों के 30 मार्च को साक्षात्कार कराए गए थे। एक और 14 मई को नियुक्ति डेवलपमेंट कमिश्नर एमएसएमई से शिकायत की गई।कानपुर के एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर फिर विवादों में आ गया है। कुछ समय पहले यहां पर नंबरों में गड़बड़ी करके अफसरों की नियुक्तियों में खेल किया गया था। अब आचार संहिता के दौरान टीचिंग सहायक और संविदा कर्मचारियों की नियुक्तियां कराने का मामला सामने आया

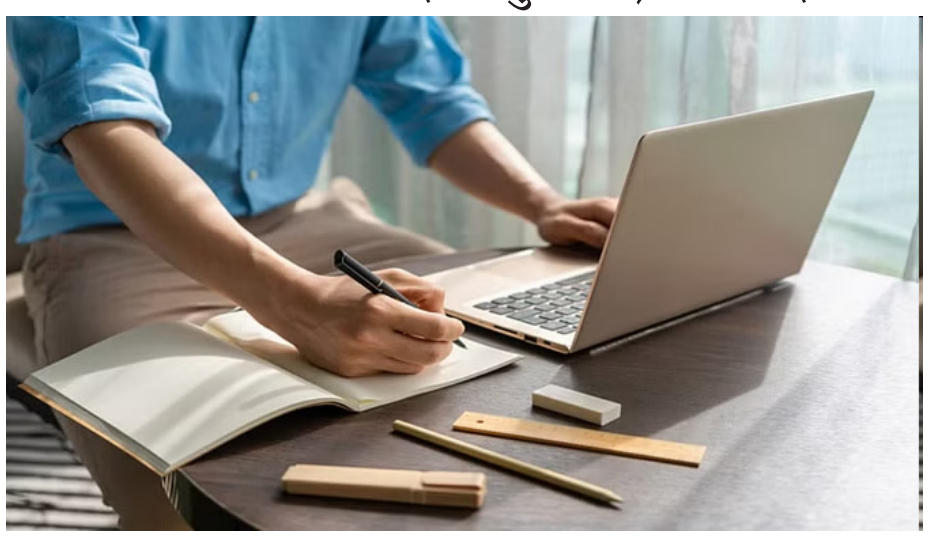

है। जब चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी, तब यहां पर साक्षात्कार कराकर नियुक्तियां कर दी गई थीं। मामले की शिकायत डेवलपमेंट कमिश्नर एमएसएमई से की गई है। शहर के उद्यमियों की मांग पर और उद्योगों की सहूलियत व दक्ष युवाओं को तैयार करने के लिए 2016 में पूर्व सांसद मुरली मनोहर जोशी के प्रयास से ये टूल रूम शहर को मिला था। 120 करोड़ की लागत से तैयार इस सेंटर की विधिवत शुरुआत इस साल हुई थी। शिकायत में बताया गया कि सेंटर में चुनाव आचार संहिता के दौरान टीचिंग सहायक और अन्य विभिन्न पदों के लिए ऑनलाइन इंटरव्यू लिए गए थे। इंटरव्यू में सेंट्रल टूल रूम लुधियाना से दो लोग और कानपुर सेंटर के अधिकारी शामिल हुए। आंतरिक स्टाफ का थर्ड पार्टी मैनपॉवर सप्लाई एजेंसी के जरिये साक्षात्कार कराया गया। 30 मार्च को ऑनलाइन साक्षात्कार कराया गया। इसके बाद टीचिंग सहायक पद के लिए पांच अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग एक मई को कराई गई। स्टोर सहायक की ज्वाइनिंग 14 मई से कराई गई। जबकि चुनाव की आचार संहिता 16 मार्च से छह जून तक थी।

इस दौरान कोई भी नियुक्ति या ज्वाइनिंग नहीं कराई जाती है। सूत्रों ने बताया कि सेंटर पर 2021 से काम करने वाले ऑन जॉब ट्रेनी को विस्तार नहीं दिया गया है जबकि हर साल विस्तार बढ़ता था। अब इन्हें आचार संहिता लगी होने का हवाला दिया जा रहा है। इसके इतर ये भर्तियां कराई गईं। टेक्नोलॉजी सेंटर के महाप्रबंधक एपी शर्मा का कहना है कि मैं अवकाश पर हूं। मुझे मामले की जानकारी नहीं है। वहीं, स्थानीय अधिकारी कुछ भी बोलने को तैयार नही हैं। मेंटर बदला पर नहीं बदले हालात- 2016 से कानपुर सेंटर का मेंटरशिप जमशेदपुर आईडीटीआर था लेकिन गड़बड़ियों को देखते हुए केंद्र सरकार ने आठ फरवरी 2024 को मेंटरशिप आईटीडीआर से छीनकर सेंट्रल टूल रूम लुधियाना को दे दिया। यहां के डीजीएम को भी हटा दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि इंडो डैनिस टूल रूम जमशेदपुर में इस तरह की नियुक्तियां आचार संहिता लगी होने के चलते रोक दी गई थीं। दस से ज्यादा मेल पर कोई जवाब नहीं- डीसी एमएसएमई को नौ मई को ई-मेल से गड़बड़ी के बारे में शिकायत भेजी गई थी। इस शिकायत से पहले 10 से ज्यादा मेल सेंटर के महाप्रबंधक को भेजे गए पर कोई जवाब नहीं दिया गया।

नये अधिनियमों के संबंध में पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में कार्यशाला का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती-श्रावस्ती। भारत सरकार द्वारा पारित किये गये भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम को 01 जुलाई 2024 से निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत लागू किया जाना है। जिसके संबंध में अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर के निर्देशन व पुलिस उप महानिरीक्षक देवीपाटन महोदय के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसमे एस0पी0ओ0 अवधेश गुप्ता, पी0ओ0 विजय पाल व नीरज पांडेय ने तीन नए अधिनियमों क्रमशः भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संबंध में समस्त थाना प्रभारियों व थानों पर नियुक्त हेड मोहर्रिर / कांस्टेबल मोहर्रिर तथा अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय, समस्त क्षेत्राधिकारी कार्यालयों में नियुक्त 200 पुलिस कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया द्वारा नए अधिनियमों के केंद्र में दण्ड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता, तकनीक का समावेश तथा नये प्रावधानों को रेखांकित किया गया। %प्रशिक्षण के बाद नए कानून से संबंधित कर्मचारियों की परीक्षा भी कराई गई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश शर्मा प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, वाचक पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने भिनगा नगर में कराये जा रहे सौन्दर्याकरण कार्य का लिया जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने नगर पालिका परिषद भिनगा का भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने दहाना स्थित पटेल तिराहे पर कराये जा रहे सौन्दर्याकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने निर्देश दिया कि अधूरे कार्यों को तय समय में पूरा कराकर विकास किया जाए तथा नगर का सौन्दर्गीकरण कराया जाए। इसके अलावा बाजार क्षेत्र में पेयजल, साफ-सफाई एवं शौचालय आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि बेहतर कार्ययोजना बनाकर नगर निकायों को विकसित किया जाए। उन्होने कहा कि नगर निकाय क्षेत्रों के निवासियों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना नगर पालिका का दायित्व है, इसलिए नगर को विकसित करने हेतु बेहतर कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे नगर की पेयजल, सीवर, नाली, विद्युतीकरण, इंटरलॉकिंग सहित अन्य जो जनता की आवश्यकतानुसार कराये जाने है, उस कार्य को कराकर पूरा किया जाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने संयुक्त जिला चिकित्सालय के सामने निर्मित कराए जा रहे पार्क का भी निरीक्षण किया तथा कार्य को समय-सीमा के अन्दर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भिनगा डा0 अनीता शुक्ला सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

द्वादशी पर श्री शिव दुर्गा मंदिर शामली पर विशाल भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। आज द्वादशी पर श्री शिव दुर्गा मंदिर रेल पार शामली पर एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। श्री शिव दुर्गा मंदिर रेल पार पर आज सुबह 8 बजे पूरे विधि-विधान के साथ पूजा अर्चना कर भोग लगाया गया और विशाल भंडारा आरम्भ किया गया। मंदिर में हुए इस भंडारे में हज़ारों की संख्या मे लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के इस कार्यक्रम में सभी ने कड़ी चावल, आलू की सब्जी पूरी, रायता तथा हलवे का प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया। भंडारा प्रात 10 बजे से प्रभु इच्छा तक चलता रहा और लोगों ने इसकी सौभा बढ़ाई। इस शुभ मौके पर मंदिर समिति के साथ-साथ सभी रेल पार निवासियों तथा सैकड़ों लोगों का भरपूर सहयोग मिला।

सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता हेतु प्रेमनगर विधायक व कलेक्टर की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-_ विश्व सिकल सेल दिवस पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी और कलेक्टर श्री रोहित व्यास की उपस्थिति में आज जिला चिकित्सालय में सिकल सेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता हेतु जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आदिवासी विकास विभाग की संयुक्त भूमिका रही। कार्यक्रम में उपस्थित जनों को सिकल सेल के संबंध में आवश्यक जानकारी मुहैया कराई गई। उपस्थित जनों सिकल सेल के लक्षण से लेकर जांच व दवा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला सूरजपुर में कुल रजिस्टर्ड 05 लाख 76 हजार 600 के विरूद्ध कुल 05 लाख 60 हजार 24 लोगो की स्क्रीनिंग की गई है। जिसमें 05 लाख 52 हजार 448 स्क्रीनिंग नेगेटिव पाई गई। स्क्रीनिंग में 01 हजार 762 लक्षण वाले मरीज पाए गए है तथा स्क्रीनिंग में 422 रोगी वाले मरीज पाए गये। 5 हजार 392 स्क्रीनिंग कन्फर्मेशन की प्रक्रिया में है। 02 लाख 09 हजार 262 सिकल सेल जेनेटिक कार्ड वितरित किए गये है। कार्ड विरतण की प्रक्रिया समस्त विकासखण्ड में हो रही है।_ कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित थे। जहां उन्होंने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि सही उपचार अपनाकर सिकल सेल बीमारी पर विजय पायी जा सकती है। पर दवा लें।_कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने उपस्थित जनों को सम्बोधित करतें हुए कहा कि सिकल सेल रोग के लक्षण, जांच व उपचार के लिए भारत सरकार के निर्देषानुसार आज विष्व सिकल सेल दिवस मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के तहत वर्ष 2023 से 2026 तक 40 वर्ष के आयु तक सभी व्यक्तियों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जायेगी। जिले के जिला चिकित्सालय के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इत्यादि में एनीमिया की जांच एवं उपचार की निशुल्क उपलब्ध है, जिसका लाभ आप सभी ले सकते है।_ कार्यक्रम में सिकल सेल से प्रभावित बसंत सिंह एवं श्यामलाल सिंह ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होने बताया कि बीमारी के पता लगने के पश्चात जिला चिकित्सालय सूरजपुर से उनका इलाज चल रहा है।

हिमाचल के महामहिम राज्यपाल का स्वागत करते तारी टाकुली

क्यूँ न लिखूँ सच
यशवंत कुमार

किच्छा- विधानसभा क्षेत्र में मौजूद पंतनगर एयरपोर्ट पर हिमाचल के महामहिम राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से मिलने पहुंचे समाज सेवक तारी टाकुली ने पुष्प एवम् बुकें देकर स्वागत किया !

जिले के 147 तीर्थ यात्रियों को श्री रामलला दर्शन के लिए विभिन्न जनपद कार्यालय से किया गया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सूरजपुर जिले से आज 147 तीर्थ यात्रियों को विभिन्न जनपद कार्यालयों से 'श्री रामलला दर्शन' (अयोध्या धाम) यात्रा योजना अंतर्गत बस के माध्यम से अम्बिकापुर रेलवे स्टेषन के लिए सूबह 08 बजे रवाना किया गया। पहले चरण में सूरजपुर जिले के 147 श्रद्धालुओं को यह अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें सूरजपुर से 55, प्रेमनगर से 31 और तीर्थ यात्री इस यात्रा श्रद्धालुओं के लिए कार्यालय सूरजपुर प्रतापपुर में बस की थी। जनपद पंचायत से प्रेमनगर विधायक मराबी एवं प्रतापपुर से प्रतापपुर विधायक सिंह पोर्ते ने हरी झंडी श्रद्धालुओं को लिए रवाना किया। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से दोपहर 12 बजे ट्रेन से श्रद्धालुओं को आगे का सफर तय करना था, इसलिए सभी की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ यात्रियों के बस को यहां से सुबह रवाना कर दिया गया। सभी श्रद्धालु तय समय में 'श्री रामलला दर्शन' (अयोध्या धाम) दर्शन हेतु जनपद कार्यालय पहुंच गये थे। 'श्री रामलला दर्शन' (अयोध्या धाम) में भगवान श्री राम के दर्शन के लिए सभी तीर्थ यात्री बहुत उत्साहित थे।

जनपद पंचायत ओड़गी से 34, प्रतापपुर से 24 का हिस्सा बनें। इन जनपद पंचायत ओड़गी, प्रेमनगर व व्यवस्था की गई कार्यालय सूरजपुर श्री भूलन सिंह जनपद कार्यालय श्रीमती शकुन्तला दिखाकर अयोध्या धाम के

दो अलग अलग सड़क हादसे में एक की मौत तो दूसरे की हालत नाजुक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती में दो अलग - अलग स्थानों पर हुई भीषण सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हुई तो दूसरे युवक की नाजुक हालत में चिकित्सकों ने रेफर किया। मामला थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत इकौना दिहात के लुहारन पुरवा निवासी 60 वर्षीय राम उजागर पुत्र मथुरा प्रसाद जो देर शाम साइकिल लेकर दवा लेने इकौना जा रहे थे। तभी नेशनल हाइवे 730 मुर्गी फार्म हाउस के पास किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार ठोकर मार कर फरार हो गया। घटना होते ही स्थानीय लोगों ने बुजुर्ग को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इकौना लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना इकौना की पुलिस ने बुजुर्ग के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिनगा भेज दिया। घटना की खबर पाते परिवार में कोहराम मच गया। वही दूसरी घटना थाना इकौना के नेशनल हाईवे 730 मुन्नी ढाबा के पास की है जहां देर रात तेज रफ्तार कार जो सड़क पर खड़े वाहन से जा भिड़ी। इस सड़क हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई साथ ही कार में बैठे 60 वर्षीय अब्दुल कादिर पुत्र सुबराती निवासी प्रधान पुरवा मिश्रौलिया जो गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों के द्वारा सीएससी इकौना लाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होता देख बुजुर्ग को कि जिला चिकित्सालय बहराइच रेफर कर दिया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम ने नगर मे वाटर कूलर चेक किये,खराब वाटर कूलर मिलने पर नाराज दिखे एसडीएम

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच के एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने बीते दिनों नगर में नगर पालिका द्वारा लगवाए गए कई वाटर कूलरों का निरीक्षण किया जिसमें उन्हें पटेल नगर स्टेट बैंक तिराहा के पास सड़क किनारे लगा वाटर कूलर खराब मिला बताया गया कि यह वाटर कूलर काफी समय से पानी नही दे रहा है वही लाजपत नगर कटरा बाजार तथा उनके आस पास लगे दो और वाटर कूलर गर्म पानी देते हुए मिला एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने बताया है कि निरीक्षण मे वाटर कूलरों में जो कमियां मिली है उन्हें दूर करने के लिए अधिशाषी अधिकारी पवन किशोर मौर्य को निर्देश दिये गये है की नगर मे कई जगहो पर लगे वाटर कूलर ठीक हो जाने चाहिए जिससे भीषण गर्मी मे नगर के लोगो को पानी के लिये परेशान न होना पड़े

बाल एवं युवा रंगकर्मी नाट्य कार्यशाला समापन समारोह बीस को

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) भारतीय जन नाट्य संघ इप्टा इकाई कोंच एवं कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संयुक्त तत्वाधान में विगत एक माह से चल रही निशुल्क ग्रीष्मकालीन बाल एवं युवा रंगकर्मी नाट्य कार्य शाला में प्रतिभावान बच्चों की प्रतिभा को निखारने का कार्य किया गया है। कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 20 जून दिन गुरुवार को समय शाम 5 बजे से रखा गया है यह समापन समारोह स्थानीय दरिद्र नारायण आश्रम मलंगा नाला पुल के पास धनुताल वाली रास्ता कोंच मे होगा आप हौसला अफजाई हेतु आप सादर आमंत्रित है इस कार्यक्रम को लेकर समस्त तेयारिया पूरी हो गई है

गर्मी लू लपट के चलते दो किसानो की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव मोहल्ला शीशघर निबासी किसान मठू उर्फ श्याम बाबू प्रजापति बीते सोम वार को अपने घर से।अपनी बकरियों को चराने के लिए डांग में गया थे तभी उसी समय तेज धूप और लू लपट के कारण उनकी हालत खराब हो गई और मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गयी पुलिस के मुताबिक लू लगने के कारण उसकी की मौत हुई है उसके डेड बाड़ी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है अब पीएम रिपोर्ट के बाद सही कारण पता चलेगा हो वही कोंच कोतवाली के मोहल्ला जय प्रकाश नगर निबासी फूल सिंह भैसों को चराने के लिए सुबह के समय अपने मकान से निकले की देर शाम होने तक वह घर बापस नही आये तो तो परिजनों को चिंता हुई उनका शव एक खेत संदिग्ध हालत मे मिला और इलाके में हड़कम्प मच गया सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिर भेज दिया बताया गया है की उन्हे भी गर्मी के कारण लू लग गई है

एक परेशान महिला ने कोतवाली मे दिया पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

कोंच(जालौन) ग्राम कुँवर पूरा निवासी एक महिला ने कोतवाली मे पत्र देकर बताया है की वह ग्राम कूर्व पूरा की निवासनी है वह कंजड़ बाबा के पास मोहल्ला तिलक नगर मे ब्यूटी पार्लर की दुकान खोले हुयें है उसका पति पंकज निवासी कुवर पुरा आये दिन शराव पीकर मेरे साथ मार पीट करता है मेरी दुकान को बन्द करने को कहता है तभी से, वह अपनी दुकान नही खोल पा रही है घटना दिन मे करीब एक एक बजे की है मेरे पति ने मेरे मोबाइल पर आया है की तुम तीन दिन के अंदर कोंच छोड़कर बाहर चली जाओ मेरे द्वारा मना करने पर वह माँ बहिन की गन्दी गन्दी गालियाँ देता रहा तथा धमकी दी है की अगर थाने मे रिपोर्ट की तो जाय से मार देंगे इससे पहले भी उसने पुलिस से शिकायती पत्र दिया है मेरा पति अपराधी किस्म का व्यक्ति है जिसके कई महिलाओ से सम्बन्ध है एक मुस्लिम महिला से उसके अवेध सम्बन्ध है अगर मुझे कुछ होता है तो इसके जुम्मेबार यह दोनो व्यक्ति होंगे उसने कोतवाली पुलिस से समुचित कार्यवाही की गुहाँर लगाई है

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

छात्राओं ने भीषण गर्मी से राहत के लिए राहगीरों को शर्बत पिलवाया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। छात्र जीवन में धन संचय करना और उचित स्थान पर ख़र्च करना,गुरू नानक देव के सच्चा सौदा से प्रभावित नगर की आधा दर्जन से अधिक छात्राओं ने बुधवार को अपनी -अपनी गुल्लक तोड़कर उसमें जमा किए गए सात हजार रूपये निकाल कर भीषण गर्मी से राहगीरों को शर्बत पिलवाकर समाज को संदेश दिया है।

दूसरों की सेवा से बड़ा कोई और सच्चा सौदा नहीं हो सकता।इस पुनीत कार्य में छात्रा सीमा,शीतल, गायत्री कश्यप, पिंकी, खुशबू, अन्नू, सलौनी, केवलराम कश्यप, लोकेश गुप्ता,बादल ,सौरभ, राकेश कश्यप,राजू, प्रवेश कश्यप आदि का विशेष सहयोग रहा।

मथुरा में भीषण हादसा: कार ने बाइक में सामने से मारी टक्कर, पति-पत्नी और देवर की मौत; अस्पताल जा रहे थे

मथुरा में सुबह सुबह भीषण हादसा हो गया। यहां कार ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी और देवर की मौत हो गई। तीनों बाइक से अस्पताल जा रहे थे। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बुधवार की सुबह तेज रफ्तार कार ने मार दी। हादसे में मौत हो गई। घटना की भीड़ लग गई। ने घटना की कार चालक गाड़ी हादसा मांट थाना मार्ग पर डांगोली के भीषण हादसा हो गया। बाइक में सामने से टक्कर पति-पत्नी और देवर की के बाद मौके पर लोगों सूचना पर पहुंची पुलिस जानकारी ली। आरोपी छोड़कर भाग निकला। क्षेत्र के मांट-पानीगांव समीप हुआ। तेज रफ्तार

कार ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पंकज, उसकी पत्नी राधिका (20) एवं भाई आकाश पुत्रगण नरेंद्र निवासी चांदपुर, थाना नौहझील की मौत हो गई। बताया गया है कि राधिका की तबीयत खराब होने पर उसे दिखाने के लिए अस्पताल जा रहे थे। टक्कर लगने के बाद गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी भुवनेश दीक्षित ने बताया कि कार चालक का पता नहीं चल सका है। कार मौके से बरामद कर ली गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गर्मी से हाहाकर: पोस्टमार्टम हाउस में शवों का अंबार... भर गए डीप फ्रीजर, बदबू के कारण डॉक्टर को भी आया चक्कर

प्रयागराज में शवों का अंबार लगा है। गर्मी के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल की मोर्चरी में शाम तक 36 शवों का पोस्टमार्टम किया गया। 50 बाकी रह गए। आसमान से अंगारों की बारिश के बीच मौतों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। एसआरएन अस्पताल के मोर्चरी में मंगलवार को शवों का अंबार लगा रहा। यहां लगे दो डीप फ्रीजर भर जाने के बाद हॉल में एक के ऊपर एक शवों को रखवाया गया। शाम करीब साढ़े सात बजे तक 36 शवों का पोस्टमार्टम हो सका। जबकि, करीब 50 शवों की बारी ही नहीं आ सकी।मंगलवार को तापमान में भले ही गिरावट हो गई, लेकिन जिले में मौतों की संख्या कम नहीं हुई। पोस्टमार्टम हाउस में कदर शवों के ढेर लगे कि परिजनों को अपनों के शवों को पहचाना मुश्किल हो गया। शवों की संख्या ज्यादा होने की वजह से यहां के दोनों डीप फ्रीजर भर गए। गर्मी की वजह से शवों से इतनी तेज बदबू आने लगी कि

वहां पर लोगों का खड़ा होना मुश्किल हो गया। अंदर लगे एसी भी नहीं काम कर रहे हैं। इस वजह से कर्मियों और चिकित्सकों को पोस्टमार्टम करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक को आया चक्कर- मंगलवार दोपहर गर्मी और बदबू की वजह से पोस्टमार्टम कर रहे एक चिकित्सक को चक्कर आ गया। इस दौरान वहां मौजूद अन्य डॉक्टर और फार्मासिस्टों ने उन्हें बाहर निकालकर दूसरे कमरे में पहुंचाया। थोड़ी देर बाद उन्हें आराम मिलने पर दोबारा पोस्टमार्टम शुरू कराया गया। तीन घंटे लग गए भाई का शव को खोजने में- करेली के 60 फीट रोड निवासी दिलशाद की सोमवार को फंदे पर लटकने की वजह से मौत हो गई हो गई थी। देर होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं हो सका। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे भाई वसीम को उसके शव को पहचानने के लिए बुलाया गया तो वह काफी देर तक परेशान होता रहा। वह अपने भाई के शव को खोज ही नहीं पा रहा था। कई बार अंदर जाकर उसने शव को पहचानने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। करीब तीन घंटे बाद वसीम ने अपने भाई के कपड़े से शव की पहचान की। इसके बाद उसका पोस्टमार्टम हो सका। परिजनों के बैठने वाले कमरे में रखवाया गया शव- पोस्टमार्टम हाउस में जगह न होने की वजह से अज्ञात शवों को रिजनों के बैठने के लिए बने भवन में रखवाना पड़ा। इसकी वजह से लोगों को बैठने के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों का कहना था कि इनमें से ज्यादातर शवों की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्टअटैक बताया गया है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

आवासीय भूमि पर चल रहा चार मंजिला यशवंत हास्पिटल, एडीए ने थमाया नोटिस; खाली करने के निर्देश

चार मंजिला आवासीय भूमि पर चल रहे यशवंत हास्पिटल को एडीए ने नोटिस जारी किया है। इसे खाली करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में आवासीय भूमि पर संचालित यशवंत हॉस्पिटल को आगरा विकास प्राधिकरण ने फिर से नोटिस दिया है। निगम ने उन्हें नर्सिंग होम खाली करने को कहा है। वहीं इस मामले की जांच एसआईटी कर रही है।न्यू आगरा स्थित हॉस्पिटल के आवासीय भूमि पर चार मंजिल में संचालित करने संबंधी शिकायत पर मंडलायुक्त रितु माहेश्वरी ने अपर आयुक्त (प्रशासन) की अध्यक्षता में विशेष जांच टीम गठित की है। इसमें एसडीएम प्रोटोकॉल को सदस्य बनाते हुए एक सप्ताह में संयुक्त रिपोर्ट मांगी गई है। कमेटी ने एडीए और सीएमओ को जांच के आदेश दिए।सीएमओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल का पंजीकरण 31 अप्रैल 2024 को समाप्त हो चुका है। वहीं एडीए से मानचित्र स्वीकृत हुए बिना नर्सिंग होम का संचालन होना पाया गया। एडीए सचिव ने जांच कमेटी को भेजी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि नर्सिंग होम को सील करने के लिए कई नोटिस निर्गत किए जा चुके हैं। अब एडीए ने नर्सिंग होम संचालक को 14 जून को नोटिस जारी कर नर्सिंग होम खाली करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद नर्सिंग होम को सील किया जाएगा। बता दें, इस हास्पिटल को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। मामला अदालतों में भी विचाराधीन चल रहा है। अब एडीए ने एक बार फिर से नोटिस दिया है। नियमानुसार होगी कार्रवाई- शिकायत पर जांच शुरू की गई है। भू उपयोग व भवन निर्माण के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। - राजेश कुमार, अपर आयुक्त, प्रशासन कोर्ट में है मुकदमा- एक पार्टी से पड़ोस में विवाद चल रहा है। वही शिकायत करता है। एडीए को कोर्ट में पार्टी बना रखा है। नोटिस मिलेगा तो जवाब दिया जाएगा। - डॉ. सुरेंद्र भगौर, हॉस्पिटल संचालक

चोरी के शक में युवक की पीट कर हत्या मामले ने पकड़ा तूल, लगे पलायन के पोस्टर, शहर में तनाव

18 जून देर रात मामू भांजा में कपड़ा व्यापारी मुकेश चंद्र मित्तल के घर में चोरी के शक में 35 वर्षीय युवक फरीद उर्फ औरंगजेब की कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। पुलिस ने पहुंचते ही युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई।अलीगढ़ महानगर के गांधी पार्क थाना अंतर्गत मामू भांजा में दूसरे समुदाय के युवक की कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पिटाई की। जिससे युवक की मौत हो गई। इसे लेकर मृतक के परिवार और नेता भी उनके समर्थन में पहुंच गए। पुलिस ने इस मामले में पिटाई के वाले कपड़ा व्यापारी पक्ष से छह लोगों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तारी कर हंगामा और जमकर नारेबाजी हुई। शहर में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस फोर्स तैनात है। खुफिया तंत्र भी सतर्क है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस लगे पोस्टर- बताया जा रहा है कि घटना स्थल मामू भांजा राधा मोहन के पोस्टर लगे देखे गए। जिनका वीडियो वायरल हो रहा है।18 जून देर रात मित्तल के घर में चोरी के शक में 35 वर्षीय युवक फरीद उर्फ औरंगजेब दी। पुलिस ने पहुंचते ही युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती परिवार की तहरीर के आधार सात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा और दो को सहित छह को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं व्यापारी के विरोध में भाजपा संग सुबह से लामबंद हो गए। मामू भांजा व रेलवे रोड प्रदर्शन होने लगा। पुलिस-प्रशासन दोनों ओर से समझाने के प्रयास में अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि थाना गाँधीपार्क प्रकरण होने पर उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया था जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु कि जिस व्यक्ति द्वारा हमला किया गया उनको शक था कि मृतक उसके घर में चोरी करने के आशय से घुसा था । घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए मुकदमा अन्तर्गत धारा 302 भादवि में पंजीकृत कर सीसीटीवी के आधार पर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है । वर्तमान में कोई धरने पर नही बैठा हुआ है, वार्ता की जा रही है, मौके पर पूर्ण शांति है ।

मौहल्ले के लोगों ने हंगामा किया। सपा-बसपा वीडियो को आधार बनाकर पिटाई के आरोप से व्यापारियों में गुस्सा फूट पड़ा। बाजार बंद तनाव के माहौल को देखते हुए मौके पर प्रशासन पैनी नजर बनाए हुए है।पलायन के मन्दिर के बराबर गली में कई घरों पर पलायन मामू भांजा में कपड़ा व्यापारी मुकेश चंद्र की कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पिटाई कर कराया, जहां उसकी मौत हो गई। पीड़ित दर्ज कर लिया। चार आरोपियों को रात में परिवार पर हत्या का मुकदमा व गिरफ्तारी के बाजार बंद कराकर जाम लगाकर धरना जुटा है। शहर में तनाव के हालात हैं। पुलिस में एक व्यक्ति को मारपीट के दौरान घायल हो गई , प्रथमदृष्टया जाँच से सामने आया है

वारंटी अवधि में एसी ने ठंडी हवा देना कर दिया बंद, अब कंपनी को वापस देनी होगी पूरी रकम

ताजनगरी में युवक के घर लगी एसी ने वारंटी अवधि में ठंडी हवा देना बंद कर दिया। शिकायत के बाद भी कंपनी ने कोई हल नहीं निकाला। उपभोक्ता आयोग के आदेश पर अब कंपनी को रकम वापस देनी होगी। उत्तर प्रदेश के आगरा में वारंटी के दौरान ही एसी ने ठंडी हवा देना बंद कर लिया। शिकायत पर कर्मचारी ने एसी की गैस निकल जाने के बारे में बताया। मगर, कंपनी ने समस्या का समाधान नहीं किया। मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय के अध्यक्ष आशुतोष, सदस्य पारूल कौशिक और राजीव कुमार ने ओनिडा कंपनी को एसी की रकम 44 हजार रुपये अदा करने के आदेश दिए हैं।चंद्रलोक कॉलोनी, जयपुर हाउस निवासी मंजू कुलश्रेष्ठ ने भारत व्यवसाय प्राइवेट लिमिटेड और ओनिडा कंपनी के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में वाद दायर किया। उन्होंने 13 मार्च 2020 को 44 हजार रुपये में ओनिडा कंपनी का 2 टन का एक एसी खरीदा था। 14 मार्च को घर पर लगा दिया गया। मगर, एसी ने तीन महीने बाद ही ठंडी हवा देना बंद कर दिया। इसकी जानकारी दुकानदार को दी। जांच कर कंपनी के कर्मचारी ने बताया कि गैस निकल जाने से एसी कम ठंडा कर रहा है। कर्मचारी गैस डालकर चला गया। मगर, एसी ने काम नहीं किया। कंपनी में शिकायत करने पर कई बार कर्मचारी आए और मरम्मत करके गए। मगर, समाधान नहीं हुआ। कंपनी के इंजीनियर ने उनके घर आकर चेक किया। उसने बताया कि डिफाल्ट के कारण मरम्मत के बाद भी एसी ठीक नहीं हुआ। इस पर वह एसी को सर्विस सेंटर ले गए। इसके बाद ना तो एसी ठीक कर वापस दी। ना रुपये दिए। नोटिस का भी कोई जवाब नहीं दिया।

नोएडा पुलिस ने ट्रैफिक उल्लंघन पर फिर की बड़ी कार्रवाई, एक दिन में काटे 6,945 ई-चालान

नोएडा में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने अकेले मंगलवार को लगभग 7,000 वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया।नोएडा में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने अकेले मंगलवार को लगभग 7,000 वाहन चालकों पर जुर्माना लगाया। यातायात से जुड़े अपराधों की श्रेणी में दोपहिया वाहन पर हेलमेट नहीं पहनना और कार के अंदर सीट बेल्ट नहीं लगाना, यहां तक कि रेड सिग्नल जंप करना और ओवरस्पीडिंग भी शामिल था।नोएडा से सटे दिल्ली, गुरुग्राम और यहां तक कि फरीदाबाद की तुलना में नोएडा में आमतौर नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने दोषियों अभियान चलाया है। इस विशेष अभियान का पहला चरण इस वाहन चालकों को हेलमेट नहीं पहनने पर 5,200 वाहन चालकों भी उतनी ही सख्त थी।खराब नंबर प्लेट, ट्रिपल राइडिंग से लेकर नोएडा के कई इलाकों जैसे सेक्टर-15, सेक्टर-125, सेक्टर-62, किसान चौक जैसी जगहों पर चलाया गया। समाचार एजेंसी जानकारी के हवाले से एक रिपोर्ट के अनुसार, 17 वाहनों को टो बिना हेलमेट पहने सवारों को कुल 4,569 चालान जारी किए गए। 247 चालान जारी किए गए। दोपहिया वाहन पर तीन सवार पाए लगभग 30 लोग चलते समय अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल चालान, वायु प्रदूषण उल्लंघन के लिए 66 और खराब नंबर प्लेट नोएडा में ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुल मिलाकर

पर यातायात नियमों का पालन कम होता है। ट्रैफिक के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक विशेष महीने की शुरुआत में चलाया गया था। जब दोपहिया का चालान किया गया था। मंगलवार की कार्रवाई सीट बेल्ट नहीं पहनने पर चालान- नया अभियान सेक्टर-52 मेट्रो, सेक्टर-51 मेट्रो, सेक्टर-71 चौक, एएनआई की ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों से मिली किया गया और 28 वाहनों को जब्त किया गया। जबकि कार चालकों को सीट बेल्ट न पहनने पर जाने के 153 मामले भी सामने आए। इसके अलावा, करते पाए गए, ध्वनि प्रदूषण उल्लंघन के लिए 77 वाले वाहनों के लिए 121 चालान जारी किए गए। सिर्फ एक दिन में 6,945 ई-चालान जारी किए गए। नोएडा पुलिस ने अवैध हूटर, बीकन, सायरन और सरकारी स्टिकर लगाने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। जो मोटर वाहन अधिनियम के नियमों और विनियमों के अनुसार अवैध हैं। पुलिस ने इन चीजों का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए कम से कम 447 वाहनों का चालान काटा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 卐पिछले 14 दिनों में, दोपहिया और चार पहिया वाहनों पर हूटर सायरन के लिए 77 चालान, पुलिस कलर्स रखने के लिए 23 और उत्तर प्रदेश/भारत सरकार के लेबल/स्टिकर लगाने के लिए 3 चालान जारी किए गए। अधिकारी ने बताया कि यह अभियान, जो 11 जून को नोएडा ट्रैफिक पुलिस द्वारा शुरू किया गया था, 25 जून तक जारी रहेगा। 16 जून को अभियान शुरू होने के बाद, पुलिस ने बताया था कि अभियान शुरू होने के बाद से उस दिन तक, ट्रैफिक पुलिस ने हूटर के इस्तेमाल के लिए 238, पुलिस स्टिकर लगाने के लिए 87 और वाहनों पर यूपी और केंद्र सरकार के स्टिकर लगाने के लिए 1,554 चालान जारी किए हैं। अभियान में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि जब यातायात पुलिस ने जुर्माना लगाने के लिए उल्लंघनकर्ताओं को रोका तो वे अतार्किक बहाने बनाते पाए गए। अभियान का हिस्सा रहे एक अधिकारी ने बताया, 卐जब हम इन उल्लंघनकर्ताओं से पूछते हैं कि वे अवैध हूटर और स्टिकर का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं, तो उनके पास कोई न कोई बहाना होता है।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

नृशंसता की हदें पार: इतने वार किए कि मिट गई पहचान... फर्श से दीवारों तक खून ही खून

अकाउंटेंट नितिन ने बहुत ही बेरहमी से पत्नी आयुषी का कत्ल किया। चेहरे पर इतने वार किए गए कि आयुषी की पहचान मिट गई। घर का कमरा खून से भरा था और दीवारें खून की छींटों से रंगी थी। घटनास्थल का मंजर देखकर हर किसी की रूह हो गई।अब तक की जांच में वारदात को चल सकी है। चूंकि नितिन भी घायल है, पाई है। उसका यही कहना था कि झगड़ा कि उसको क्यों मारा। क्योंकि जिस लगता है कि वह उससे बहुत नफरत नफरत और खुन्नस की क्या वजह रही? कुछ और। आगे की जांच में इस बारे में की गहनता से जांच की जा रही है। इससे की मां ने बताया कि सोमवार दोपहर 3-38 बजे बेटी से फोन उसी दौरान अचानक से कॉल कट हो गई थी। जब दोबारा कॉल की घटना का अंदेशा तक नहीं हुआ। इसलिए फिर तीन चार घंटे की और घटना की जानकारी दी। मतलब कॉल कट होने के तुरंत दिया।सीतापुर निवासी मृतका की बहन अंशिका ने बताया कि आयुषी तक जब वह नहीं पहुंची थीं तो उनकी मां उनको लगातार कॉल कर थी। देर शाम जब नितिन को कॉल किया तब पुलिसकर्मी ने रिसीव दी।अक्सर होता था झगड़ा- पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि था। सोमवार दोपहर को भी झगड़ा हो रहा था। लेकिन, जरा भी अंदाजा नहीं था कि नितिन इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे डालेगा। परिजन भी हैरान हैं। उन्होंने बताया कि बीती 8 मई को नितिन-आयुषी की शादी की पहली सालगिरह थी। तब उसको सोने की अंगूठी दी थी। सीतापुर में पार्टी भी की थी।

कांप गई। आयुषी की मां और बहन बेसुध अंजाम देने की कोई ठोस वजह पता नहीं इसलिए पुलिस उससे ठीक से पूछताछ नहीं हुआ तो मार दिया। मगर ये नहीं बताया तरह से नितिन ने आयुषी को मारा ऐसा करता था।अब सवाल है कि आखिर क्या दहेज न मिलना कारण बना या फिर स्पष्ट होगा। डीसीपी ने बताया कि प्रकरण वजह पूरी तरह से साफ हो सके।आयुषी पर बात हुई थी। बात चल ही रही थी कि की तो रिसीव नहीं हुआ। लेकिन इस तरह बाद कॉल की तब पुलिसकर्मी ने रिसीव बाद आरोपी ने घटना को अंजाम सोमवार को मायके जाने वाली थी। शाम रही थी लेकिन कॉल रिसीव नहीं हो रही किया। उसने घटना की जानकारी नितिन और आयुषी का अक्सर झगड़ा होता

संक्षिप्त समाचार

हाईटेंशन लाइन के तार से छूने से तीन ममेरे भाई झुलसे, ट्रैक्टर पर भूसा लादकर ला रहे थे घर

एटा में हाईटेंशन लाइन के तार से छूने से तीन ममेरे भाई झुलस गए। तीनों सुबह ट्रैक्टर पर भूसा लादकर घर ला रहे थे। रास्ते में हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश के एटा में बुधवार को हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मामा के यहां आए भांजे सहित तीन किशोर झुलस गए। जानकारी मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। झुलसे हुए लोगों को आनन फानन अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना जसरथपुर थाना क्षेत्र के नदराला की है। गांव निवासी अली खां का भांजा फिरोजाबाद निवासी फरमान (14) गर्मियों की छुट्टी में मामा के घर आया है। सुबह अली खां के बेटे नजरुल (10) और सुहेल (13) एवं भांजा फरमान ट्रैक्टर से भूसा लादकर घर आ रहे थे।रास्ते में हाईटेंशन लाइन के तार से छू गए। इससे तीनों किशोर बुरी तरह झुलस गए। लोगों ने देखा तो भागकर पहुंचे। इन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अलीगंज लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस में तैनात पति दहेज के लिए करता प्रताड़ित, पीड़िता ने डीसीपी सिटी के ऑफिस में चीख-चीखकर बताई दास्तां

पुलिस में तैनात पति दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहा है। कहीं पर सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़िता ने डीसीपी सिटी के ऑफिस में चीख-चीखकर दास्तां बताई। उत्तर प्रदेश के आगरा में बुधवार को सिपाही पिता के साथ डीसीपी सिटी कार्यालय में महिला ने जमकर हंगामा किया। उसने पुलिस विभाग में तैनात अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए। सुनवाई न होने की बात कहते हुए वह हंगामा करने लगी। दीवार में पटककर खुद का सिर फोड़ने की कोशिश की। महिला सिपाहियों ने उसे पकड़ा। पीड़िता का कहना है कि उसका पति पुलिस विभाग में तैनात है। एक वर्ष पहले उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद पति अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगा। न देने पर उसे प्रताड़ित करने लगा। उसका शारीरिक शोषण करता रहा। वह लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काट रही है। उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उसके और उसके सिपाही पिता के साथ मारपीट की गई।

जेल में बंद गैंगस्टर के आरोपी संजीव पारिया की मौत, परिजनों ने संदिग्ध बताए हालात

शाहजहांपुर जिला जेल में बंद गैंगस्टर के मामले में आरोपी संजीव पारिया की मंगलवार रात मौत हो गई। परिजनों ने उसकी मौत के हालात पर संदेह व्यक्त किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गैंगस्टर के मामले में शाहजहांपुर जिला कारागार में बंद फर्रुखाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संजीव पारिया की मंगलवार रात मौत हो गई। उसे बेचैनी महसूस होने पर जेल के अधिकारियों ने राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शाहजहांपुर पहुंचे परिजनों ने उसकी पारिया के मौत के हालात पर संदेह व्यक्त किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ कोतवाली के प्रभारी हरिश्याम सिंह ने कैंट निवासी बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संजीव पारिया, मोहल्ला कसरट्टा निवासी माफिया बसपा नेता डॉ. अनुपम दुबे, कादरीगेट थाना क्षेत्र के गांव बहादुरपुर पांचाल घाट निवासी शिव प्रताप उर्फ चीनू के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया था। संजीव पारिया को नवंबर 2023 में फर्रुखाबाद जेल से शाहजहांपुर जिला कारागार लाया गया था। जेल अधीक्षक मिजाजीलाल ने बताया कि मंगलवार को ही संजीव के परिजनों ने उससे मुलाकात की थी। रात में उसकी तबीयत बिगड़ी तो उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज लाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण स्पष्ट हो जाएगा। अगर परिजन कोई आरोप लगाएंगे तो उसकी जांच कराई जाएगी। वहीं संजीव की मृत्यु की जानकारी होने पर परिजन शाहजहांपुर पहुंच गए हैं।

छोटे भाई को छुड़ाने गये बड़े भाई पर हमला फोड़ सिर, हमलावर ने दी मारने की धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। गौरव पुत्र ओमपाल निवासी आर्यपुरी सुहानी फास्ट फूड नाला पटरी आर्यपुरी पर काम कर रहा था। उसी समय करण पुत्र स्वर्गीय सतपाल निवासी आर्यपुरी शामली वहां आया और किसी गलत बात को लेकर दोनों में मारपीट हो गई। करण ने झगड़ा करते हुए अपने भाई विनोद को फोन पर बुलाया और उसने भी मारपीट शुरू कर दी। झगडा बनता देख गौरव ने भी अपने भाई राहुल को बुलाया तो विनोद ने राहुल पर हमला कर घायल कर दिया। जाते हुए विनोद ने जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। राहुल के झगड़े में सिर पर चोट लगी तो उसे थाना कोतवाली शामली मे लेकर गए। पुलिस केस में राहुल तथा गौरव का मेडिकल करा कर रिपोर्ट दर्ज करायी गई। विनोद इस प्रकार की कई अन्य लोगों के साथ वारदात कर चुका है लेकिन इसका हौसला इतना बढ़ गया है कि कानून को अपने हाथ में लेने से कोई परहेज नहीं करता और आये दिन किसी भी व्यक्ति के साथ मारपीट कर घायल कर देता है। कानून की शिथिलता के चलते इस अपराध परवर्ती के व्यक्ति के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं होती। जिसके चलते इस व्यक्ति का हौसला बढ़ता जा रहा है। इस पर कानून का अंकुश कैसे हो। अगर कानून सख्त कार्रवाई करे तो इस प्रकार के व्यक्ति अपराध नही कर सकता।

आगरा कैंट स्टेशन पर जीआरपी ने पकड़ी 37 लाख की चांदी, हिरासत में दो आरोपी; बताया कैसे करते हैं खेल

आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने 37 लाख की चांदी पकड़ी। दो लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि टैक्स बचाने के लिए कैसे खेल करते हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में जीआरपी आगरा कैंट ने स्टेशन के गेट पर चेकिंग के दौरान 41.75 किलो चांदी बरामद की है। इसकी बाजार में कीमत 37 लाख रुपये है। महाराष्ट्र से चांदी लेकर आए झांसी और आगरा के व्यक्तियों के पास से 3.33 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की गई है।एसपी रेलवे, आदित्य लांगहे के निर्देशन में तस्करी के खिलाफ चलाए गए चेकिंग अभियान में आगरा कैंट जीआरपी ने दो लोगों से चांदी बरामद की। उनके पास 41.75 किलो वजन के चांदी के आभूषण, चांदी के नग, कच्ची चांदी बरामद हुई। इसकी कीमत 37 लाख रुपये है। जीआरपी ने इसकी सूचना आयकर विभाग और सेंट्रल जीएसटी के अधिकारियों को दी है। चांदी के साथ झांसी के प्रेमनगर टोला बदलूराम निवासी मनीष चोकसे और नाई की मंडी के हल्का मदन निवासी अतुल शिवहरे को हिरासत में लिया गया है। दोनों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह महाराष्ट्र के औरंगाबाद से चांदी के आभूषण लेकर आते हैं। आगरा में वह इसे दुकानदारों को

एंटी करप्शन क्या... अपशब्द बोलकर फंसे इंस्पेक्टर, एसएसपी ने सीओ से तलब की जांच रिपोर्ट

बरेली के शीशगढ़ थाने के इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार आपत्तिजनक बयान देने के मामले में फंस गए हैं। उनके दो ऑडियो वायरल होने के बाद सीओ बहेड़ी को मामले की जांच सौंपी गई थी। एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने अब सीओ से जांच रिपोर्ट तलब की है। शीशगढ़ थाने के इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार के वायरल ऑडियो ने सीओ से जांच रिपोर्ट रहा है कि इंस्पेक्टर पर पहले ऑडियो में इंस्पेक्टर किसान ओमकार शर्मा ओमकार ने अपने खेत से दर्ज कराई थी और तहरीर मालिक का नाम हटाने इंस्पेक्टर शीशगढ़ पर 50 आरोप लगा था। साथ ही गए चौकी प्रभारी जितेंद्र होने का आरोप भी उनके सिर पर है। भड़के इंस्पेक्टर ने किसान से बातचीत के दौरान एंटी करप्शन टीम व मीडिया कर्मियों को लेकर अपशब्द कहे थे। वहीं, खनन का वाहन छुड़वाने आए प्रधान संघ अध्यक्ष से तकरार के दौरान भी उन्होंने मीडिया कर्मियों पर कटाक्ष किया था। अब एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने सीओ बहेड़ी से जांच रिपोर्ट तलब कर ली है। इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार पर कार्रवाई तय मानी जा रही है। चौकी में रिश्वत लेते गिरफ्तार हुआ था दरोगा - शीशगढ़ थाने की बंजरिया पुलिस चौकी के इंचार्ज जितेंद्र सिंह को 15 जून को एंटी करप्शन की टीम ने 10 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। चौकी इंचार्ज के कमरे की जब तलाशी ली गई तो वहां रखे बैग में 1.06 लाख रुपये भी मिले। चौकी इंचार्ज ने बताया कि रुपये फॉलोअर के मकान बनवाने के लिए इकट्ठे किए गए हैं। हालांकि इसका कोई सुबूत नहीं मिला। माना जा रहा है कि ये रुपये भी उगाही के हैं। जांच यह भी की जा रही है कि चौकी इंचार्ज के पास यह रुपये कहां से आए? किससे लिए गए हैं? साफ है कि चौकी इंचार्ज ने और भी लोगों से वसूली की है। इस मामले में विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। मामले में शीशगढ़ इंस्पेक्टर से लेकर चौकी पुलिस पर तैनात स्टाफ तक निशाने पर है। चौकी इंचार्ज के खिलाफ भोजीपुरा थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद उसे जेल भेजा जा चुका है। साथ ही एसएसपी ने उसे निलंबित भी कर दिया है।

भाजपा नेता की डेयरी में अमोनिया का रिसाव, दम घुटने से ऑपरेटर की मौत; पांच कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

उत्तर प्रदेश के आगरा में भाजपा नेता की गोविंद डेयरी में मंगलवार की रात को अमोनिया गैस के रिसाव ऑपरेटर की दम घुटने से मौत हो गई। पांच अन्य कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने रिसाव बंद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फतेहाबाद में भाजपा नेता की डेयरी में अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। दम घुटने से ऑपरेटर की मौत हो गई। पांच कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई। घटना निबोहरा थाना क्षेत्र के ठेका चौराहे गांव के पास की है। यहां भाजपा नेता एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख सुग्रीव चौहान की गोविंद डेयरी है। थाना प्रभारी अमरदीप शर्मा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 8-30 बजे डेयरी परिसर में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था। डेयरी में काम कर रहे पांच अन्य कर्मचारी तो किसी तरह बाहर भाग निकले मगर ऑपरेटर मानवेंद्र उर्फ राजू (38) निवासी आंवलखेड़ा, बरहन का पैर मशीन में फंस गया। उसने निकलने की कोशिश की मगर कामयाब नहीं हो सका। दम घुटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसकी जानकारी होने पर आसपास दहशत फैल गई, लेकिन रिसाव का असर बाहर तक नहीं आया। लेकिन कर्मचारियों के बाहर भागने पर आसपास के पांच घरों के लोगों को रिसाव की जानकारी हुई तो उनमें दहशत फैल गई। घटना की जानकारी होने पर एसीपी फतेहाबाद अमरदीप लाल, फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने रिसाव को बंद कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि वर्ष 2010 में भी उद्घाटन के समय भी डेयरी में अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था। इस संबंध में भाजपा नेता सुग्रीव सिंह ने बताया कि डेयरी में किसी कारणवश रिसाव होने से एक कर्मचारी की मृत्यु की जानकारी मिली है। वह लंबे समय से हमारे यहां काम कर रहा था। परिवार की पूरी मदद की जाएगी।

Know important things about sickle cell disease, target to eradicate it by 2047

Sickle cell disease is seen increasing rapidly globally, it is a disease affecting the blood. Due to this disease, the level of hemoglobin within the blood cells starts getting affected. Sickle cell disease (SCD) is the most common hereditary blood disorder. The amount of hemoglobin in the blood vessels is important, with the help of which oxygen is circulated throughout your body. People suffering from SCD may be at risk of many types of health problems. World Sickle Cell Awareness Day is celebrated on 19 June with the aim of making people aware about sickle cell disease. Health experts say that it is important for everyone to know about this disease. Due to SCD, the shape of the blood cell changes to crescent and it makes the cells rigid. Additionally, sickle-shaped cells do not last as long as normal-shaped red blood cells, due to which there is a constant deficiency of red blood cells in the patient. Let us know about this disease in detail. What is the difference between anemia and sickle cell anemia? Sickle cell disease is an umbrella term used for several different types of sickle cell disorders. The severe condition of SCD is known as sickle cell anemia. Researchers estimate that sickle cell disease affects about one lakh Americans. The risk of this disease is also being seen in India. The problem of sickle cell anemia is at the top among the health problems whose burden has been seen the most in rural and tribal areas of India. According to an estimate, this serious disease is being seen in more than seven crore tribal people. National target of sickle cell anemia elimination by 2047 - In view of the increasing risks of sickle cell disease, Finance Minister Nirmala Sitharaman had set a target to eradicate this disease from India by the year 2047 during the Budget 2023 speech. In July 2023, Prime Minister Narendra Modi launched the National Sickle Cell Anemia Elimination Mission 2047 from a program organized in Shahdol district of Madhya Pradesh. Why does sickle cell disease occur?- The main cause of sickle cell disease is a genetic mutation in the HBB gene. This gene is responsible for making a large part of hemoglobin. Some children can get this disease genetically from their parents. Symptoms of sickle cell disease start appearing at the age of 5 to 6 months. The symptoms of SCD are different in every person. Sickle cell disease can affect many parts of your body. Prevention and treatment of sickle cell disease- Sickle cell disease cannot be prevented as it is a genetic condition. If you are pregnant, genetic testing can help detect its risk. Children who are diagnosed with this disease may need blood transfusions, bone marrow transplant and gene therapy along with medicines as treatment.

Can't decide what vegetable to make in summer, these 6 options are the best

There is hardly anyone who likes the summer season. In this season, people have to make a lot of changes in their clothes and food habits. From wearing clothes to eating, they have to think that the condition may worsen in the heat. Especially in the summer season, those people who cook food face problems. Vegetables are available very limited in this season. In such a situation, what to make for lunch and dinner is a matter of thought. If you also keep thinking every day that what vegetable to make in the summer season, which will not make you sick, then this article is for you. In this article, we will tell you some such options of vegetables, which are also easy to make and you can win the hearts of your family members by serving them. Stuffed bitter gourd- Bitter gourd is available in abundance in this season. In such a situation, if you want, you can make bitter gourd vegetable. Although simple bitter gourd vegetable is also made, but if you make stuffed bitter gourd, then it will taste very good with paratha. If you serve the stuffed bitter gourd vegetable with curd, its taste will increase. Beans and potatoes- Most children do not like to eat beans vegetable. In such a situation, you can also make potatoes with beans. While making beans and potatoes vegetable, just keep in mind that it does not need much spice. You can also prepare it with mild spices. You can serve it with dal roti. Brinjal Bharta- If you do not like brinjal potato vegetable, then you can get brinjal bharta prepared for yourself. It tastes very delicious. It can be eaten with both roti and paratha. So, without delay, make brinjal bharta quickly. Sweet and sour pumpkin- If you add a little jaggery to it instead of making ordinary pumpkin, then its taste will change. In this summer season, sweet and sour pumpkin tastes delicious. You can also serve it with roti or dal rice. Spinach and potatoes- Many people do not like spinach greens. In such a situation, you can prepare spinach and potato vegetable if you want. It tastes very delicious to eat with roti and dal. Not many spices are used to make it. Stuffed Capsicum- Most people cut capsicum and make it with potatoes. But this should not be done. If you make stuffed capsicum, then its taste will be many times better. It is also very tasty to eat.

Balance your studies and job in these ways, you will start earning while studying

It can be challenging to balance your studies and part-time job. In such a situation, you will have to pay attention to your health, only then you will be able to maintain the right balance. For this, do meditation for 10 to 15 minutes daily. In today's era, students who graduate or are preparing for competitive exams think that if they earn some pocket money along with their studies, then the burden on their parents will be reduced. This can be a challenging situation for them, because it is not as easy as it seems. It can be difficult for students to balance these two responsibilities, but if a plan is made, then a balance can be maintained between studies and part-time job. Do you also want to earn some money along with your studies? But for this, you will have to maintain the right balance between studies and job. Right part-time job - Choose a job that does not affect your studies much, such as teaching tuition, collecting study material or typing. It may be better for you to find a weekend or evening job, so that you can get enough time for studies. Set priorities- You have to look at your priorities. You have to decide what is more important for you, studies or work. If your exams are near, then you have to give less time to work and more time to studies. On the other hand, when you do not have exams, you can increase your working hours. Make a time table- Whenever you start your part time job, first of all make a time table, so that you know how many hours to work in a day, how many hours to study and in how much time to finish the rest of the work. In the pursuit of earning more money, many youth start working overtime and leave their studies behind. But you should not do this. Be punctual and focus on your goals. Ask for help- Many times these situations create stress. In such a situation, if you are upset, then do not hesitate to talk to someone or ask for help, whether it is about studies or handling responsibilities. In such a situation, talk to your teachers, parents or friends, find a solution and choose the right path. Take a break- Whatever you do, do it positively. Sometimes the whole day is full of stress. The mind gets tired while studying and doing a job. In such a situation, it is important that you take a break between work and studies and relax. What are the benefits- You will not be dependent on your parents for pocket money. This will give you financial independence. You will gain experience from this, which will be useful in the future. You will learn new skills, and when you take on new responsibilities, your confidence will increase. It is important to have faith- Life coach Nandini Gupta says, it can be challenging to balance between studies and part-time job. In such a situation, you have to pay attention to your health, only then you will be able to maintain the right balance. For this, do meditation for 10 to 15 minutes daily. At the same time, the most important thing is to stay positive. You have to tell yourself that I can do everything and I will get what I want. To fulfill both these responsibilities, you first have to have faith in yourself, on time, on the world, on your abilities and on this whole process. At the same time, when you feel too stuck, choose your priorities, stay calm and focus on them. Do not think that by leaving the job you will again become a burden on your parents. A child is never a burden for the parents. Remember, you are not alone, everyone is with you.

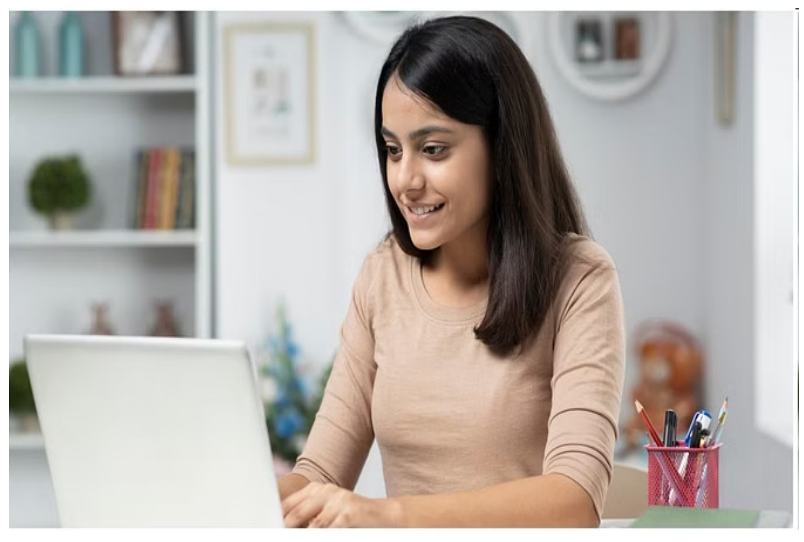

'SSB 29' story revealed? Rajamouli buys rights of African books for Mahesh Babu's film!

South superstar Mahesh Babu and film producer-director SS Rajamouli are working together for the first time through 'SSMB 29'. The audience is eagerly waiting for this film. It is one of the most awaited films of this year. The audience is constantly waiting for new information about the film. The film's writer KV Vijayendra Prasad had earlier told that the film is based on the backdrop of African jungles and will show the story of the Indiana Jones adventure template. At the same time, another interesting information has come to light about the story of this film. According to reports, director SS Rajamouli has reportedly bought the rights to African-British novelist Wilbur Smith's bestselling adventure novels Triumph of the Sun and King of Kings. Although there has been no official confirmation from the makers about this, the content of these two books will definitely give Rajamouli a big basis for the story of the film, through which Rajamouli can plan to make the story of the film strong. Both these books are set in Sudan, Africa and tell the adventure journey of many characters in African regions. At the same time, there is a discussion on social media that if this news is true then the question is whether the writing process of the story of 'SSB 29' is still left? This means that the script is not completely finalized, but Vijayendra Prasad has confirmed earlier, the work of the script of the film has been completed. Now in such a situation, this news indicates that Rajamouli has bought the rights of these books only to get help in filming the scenes. Mahesh Babu is preparing a different look for the film and some time ago SS Rajamouli had asked him to avoid going to public places much, so that his look for the film can be kept secret. At the same time, both have kept silence about the story of the film. He has not even revealed the title yet. However, in an interview, SS Rajamouli talked about the film and told that his story is ready and the hero is also ready. The film is in pre-production. The casting is not complete, but it will be done soon. Work is going on at a fast pace on this. Through 'SSMB 29', Mahesh and SS Rajamouli are working together for the first time. The film is believed to be a jungle adventure film and it is speculated that this film will be on a large scale. Apart from this, it is also being said that the film will have a glimpse of mythology and Indian epics, which is Rajamouli's trademark. Talking about the story, it is reported that the script of the film and Mahesh Babu's character may be based on Lord Hanuman of Ramayana.

These South Indian stars could not make a mark in Bollywood, the names in the list will surprise you

South Indian films dominate the entire country. The stars working in these films have left a deep impression on the minds of the audience with their acting. However, when some of these superstars tried to establish themselves in the Hindi film industry, they failed miserably. Ram Charan- Ram Charan's name comes first in this list. His name is included among the big stars of the Telugu film industry. After RRR, Ram Charan has become famous all over the world. However, his Bollywood debut was quite dull. He entered the Hindi film industry with the film Zanjeer, directed by Milan Luthria, but the film flopped badly at the box office. After this, Ram Charan was not seen in any Hindi film. Vikram- Vikram is one of the veteran stars of Tamil cinema. He has surprised the audience many times with his acting. The actor has worked in many hit films in his career, but he proved to be a flop in Bollywood. He worked in Hindi films named Raavan and David, but both the films could not perform well at the box office.Vijay Deverakonda- Vijay Deverakonda is known for films like Geeta Govindam and Arjun Reddy. He has also tried his luck in the Hindi film industry. He was seen with Ananya Pandey in the film Liger. However, this film proved to be a huge flop at the box office. Suriya- Another star of Tamil cinema is included in this list. The actor has appeared in many blockbuster films, but his films have not had a good record in Bollywood. He appeared in the film Raktacharitra 2 released in 2010, but the film could not perform as expected.

'Heeramandi' star Jason has moved on in his life, said- I don't want to remember old things

Jason Shah is making headlines these days for his personal life. In fact, recently, during an interview, the actor, while talking about his ex Anusha Dandekar, said that she was trying to fit him in a box. On this, Anusha Dandekar retorted and called Jason a liar. Let us now know whether Jason has moved on in his life or he wants to answer Anusha's words. Jason Shah was recently seen in 'Heeramandi'. The audience liked his character in this show very much. At the same time, during an interview recently, Jason, while talking about his ex-girlfriend Anusha Dandekar, said, 'Look, I don't want to remember old things. I find this thing very childish'. Continuing his talk, Jason Shah says, 'We cannot change what has happened in the past, so why talk about that topic again. I have moved on in my life and am very happy. I don't want to comment on what anyone said. Jason Shah feels that his words were twisted. He says, 'I never said to Anusha that she was trying to fit me in a box. I had said a normal thing which was presented in a wrong way.' Jason Shah feels that his words were twisted. He says, 'I never said to Anusha that she was trying to fit me in a box. I had said a normal thing which was presented in a wrong way.' When Jason Shah was asked how he feels when someone discusses his personal life, he says, 'To be honest, I don't feel bad. As an actor, you have to understand that when you become a public figure, people will talk about you. You just have to decide which things you have to pay attention to and which things you have to ignore and move on.'